Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 83
पृष्ठ : 12
मूल्य : 2.0
मंगलवार, 31 मार्च, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 एनसीपी के पोस्टर से दादा-सुनेत्रा पवार...

4 भारत चीन के आर्थिक संबंध 'दोस्ती' है या ...

7 आईपीएल 2026 : 'रिजल्ट के बारे में ज्यादा ..

संक्षिप्त न्यूज

पीएम मोदी ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री से की बातचीत, द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने पर जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटन से फोन पर बातचीत की। इस दौरान पश्चिम एशिया की हालात पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। इस बातचीत में क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-नीदरलैंड संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'आज नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटन से बात करके मुझे खुशी हुई। हमने भारत-नीदरलैंड संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।'

नीदरलैंड के साथ किन मुद्दों पर हुई चर्चा?

दोनों नेताओं ने सेमीकंडक्टर, मेगा वाटर प्रोजेक्ट्स, ग्रीन हाइड्रोजन और टैलेंट मोबिलिटी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'हमने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया।'

पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी ने कई विश्व नेताओं से बात की है। इनमें सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, ईरान, फ्रांस, इस्राइल और मलयेशिया के नेता शामिल हैं।

ईरान युद्ध से गहराया ऊर्जा संकट

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी पीएम मोदी से बात की, जिसके बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर उनके बीच विचारों का उपयोगी आदान-प्रदान हुआ। इस संघर्ष की शुरुआत अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों से हुई। इसके जवाब में ईरान ने अपने पड़ोसी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इस्राइल को निशाना बनाया।

आईबीसी संशोधन विधेयक लोकसभा में पास

नक्सल मुद्दे पर गर्मागर्म बहस, ओबीसी आरक्षण के दुरुपयोग पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों की आज की कार्यवाही कई महत्वपूर्ण मुद्दों और तीखी राजनीतिक नोकझोंक से भरपूर रही। एक ओर लोकसभा में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता संशोधन विधेयक को मंजूरी मिली, वहीं राज्यसभा में आरक्षण, सशस्त्र बलों और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष और सत्ता पक्ष आमने सामने दिखे।

लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के प्रभाव पर जोर देते हुए कहा कि इस कानून ने देश की बैंकिंग व्यवस्था को मजबूत बनाया है। उन्होंने बताया कि वाणिज्यिक बैंकों के गैर निष्पादित परिसंपत्तियों की वसूली में इस संहिता का योगदान 54 प्रतिशत से अधिक रहा है। सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

इसी दौरान वित्त मंत्री ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था मजबूत है और प्रधानमंत्री की वैश्विक साख सबसे ऊंची है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष देश को कमजोर दिखाने की कोशिश कर रहा है, जबकि आर्थिक संकेतक जैसे विकास दर, मुद्रास्फीति और घरेलू मांग मजबूत स्थिति में हैं।

इसके अलावा, लोकसभा में वामपंथी

उग्रवाद पर भी जोरदार बहस हुई। सत्ता पक्ष के सांसदों ने पूर्व की सरकारों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि वर्तमान सरकार देश को उग्रवाद मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे की आड़ में खनन हितों को बढ़ावा दे रही है और जमीनी समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है।

राज्यसभा में भी दिन भर हंगामा और विरोध देखने को मिला। ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा सदस्य के बयान के विरोध में विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। सत्ता पक्ष ने इस कदम को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया और विपक्ष पर बहस से बचने का आरोप लगाया। हम आपको बता दें कि राज्यसभा में भाजपा सांसद के. लक्ष्मण ने कुछ राज्यों द्वारा मुस्लिमों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में शामिल कर आरक्षण के कथित दुरुपयोग का मुद्दा उठाया और सरकार से इस पर व्यापक समीक्षा कराने की मांग की। उनके बयान के विरोध में विपक्षी दलों ने सदन से बहिर्गमन किया। इस पर सदन के नेता और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के अन्य दल लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं का सम्मान नहीं करते और केवल मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करने के लिए तुष्टीकरण राजनीति कर रहे हैं।

इसके अलावा, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल से संबंधित विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने इसे प्रवर समिति को भेजने की मांग की। विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि यह विधेयक बल के अधिकारियों के अधिकारों को सीमित करता है और संघीय ढांचे के विपरीत है। उन्होंने पदोन्नति में देरी, मानसिक दबाव और आत्महत्या जैसी समस्याओं को भी गंभीर बताया।

इसके अलावा कई जनहित के मुद्दे भी उठाए गए। इसी बीच सरकार ने बताया कि वह असंगठित क्षेत्र के कामगारों को पेंशन योजना के दायरे में लाने पर विचार कर रही है।

सरकार में वरिष्ठ पदों पर बहुजनों की हिस्सेदारी नहीं : राहुल गांधी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि सरकार की प्रमुख संस्थाओं में वरिष्ठ पदों पर बहुजनों की हिस्सेदारी नहीं है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अपने 'जनसंसद' कार्यक्रम में ग्रामीण बैंक के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के एक समूह से मुलाकात के बाद यह टिप्पणी की।

वह समाज के विभिन्न वर्गों के समूहों से अक्सर मुलाकात करते हैं और इसे उन्होंने 'जनसंसद' का नाम दिया है।

राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट किया, ''जनसंसद में कुछ दिनों पहले ग्रामीण बैंक के एसी-एसटी वेलफेयर एसोशिएसन के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात हुई। उनकी समस्याएं ध्यान से सुनीं तो वही बात स्थापित हुई जो मैं हमेशा से कहता आया हूं कि बहुजनों की हिस्सेदारी किसी भी संस्था के वरिष्ठ पदों पर है ही नहीं।''

उन्होंने कहा, ''प्रतिनिधिमंडल में आए साथियों ने बताया कि किस तरह नीतिगत तरीके से प्रोन्नति के लिए नियम होने के बावजूद उनके साथ इसमें भेदभाव किया जाता है। कभी कामकाज, कभी योग्यता के बहाने से उनकी तरक्की रोक दी जाती है। और तो और अगर ये दलित-आदिवासी संगठन के पदाधिकारी आवाज़ उठाते हैं तो उनका बार-बार और सुदूर क्षेत्रों में तबादला करके सज़ा दी जाती है।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि आरक्षण के कारण इन समुदायों को शुरुआती स्तर के पदों की नौकरियां तो मिल जाती हैं, मगर उसके बाद इनके लिए बड़े पदों तक पहुंच पाना नीतिगत भेदभाव के कारण लगभग असंभव हो जाता है। राहुल गांधी ने कहा, ''यह जानकर दुख तो हुआ, मगर आश्चर्य बिल्कुल नहीं कि इन बैंकों में शीर्ष पदों पर दलितों और आदिवासियों को कभी भी पहुंचने का मौका ही नहीं मिला। हर मंच से मैं यही सच्चाई दोहराता आया हूं।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''इसी भेदभाव, इसी अन्याय के खिलाफ हम लड़ रहे हैं। ये हालात हम मिलकर बदलेंगे, ताकि देश के हर वर्ग को हर संस्था में समान भागीदारी और हिस्सेदारी मिले।''

सोनिया गांधी की सेहत में 'शानदार सुधार' हुआ है, जल्द ही मिल सकती है अस्पताल से छुट्टी : डॉक्टर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की सेहत में 'शानदार सुधार' हुआ है और अब वह 'पूरी तरह से सामान्य' हैं तथा उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने पर जल्द फैसला होने की उम्मीद है। चिकित्सकों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बुखार आने के बाद उन्हें 24 मार्च को रात करीब 10.22 बजे सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार, गांधी को अब भी नसों के माध्यम से एंटीबायोटिक दवा दी जा रही हैं, जो कुछ और दिनों तक जारी रहेंगी, हालांकि उनके स्वास्थ्य संबंधी सभी संकेतक सामान्य सीमा के भीतर हैं। उन्होंने कहा, 'मरीज और इलाज करने वाले चिकित्सक से चर्चा के बाद ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने का फैसला लिया जाएगा। अन्यथा, वह पूरी तरह स्वस्थ हैं।' चिकित्सकों ने बताया कि उनका 'सिस्टमेटिक इंफेक्शन' का इलाज किया रहा है और एंटीबायोटिक दवाओं का उन पर अच्छा असर हो रहा है। वह वरिष्ठ चिकित्सकों की एक टीम की निगरानी में हैं और उनकी हालत स्थिर है।

'सैनिकों को दो लड़ाइयां लड़ने को मजबूर न किया जाए', चीफ जस्टिस ने जवानों के लिए न्यायिक पहुंच पर दिया जोर

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार को सशस्त्र बलों की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि देश को सैनिकों को एक साथ दो लड़ाइयां लड़ने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। सीजेआई ने कहा, एक लड़ाई सीमा पर और दूसरी अपने कानूनी अधिकारों के लिए घर पर नहीं होनी चाहिए। इसलिए सैनिकों के लिए न्याय तक बेहतर पहुंच जरूरी है।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत'माननीय मुख्य न्यायाधीश के संबोधन के मुख्य बिंदु' विषय पर बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने न्यायपालिका और सशस्त्र बलों के आपसी संबंध पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जहां अदालतें सांविधानिक मूल्यों की रक्षा करती हैं। वहीं, सैनिक उन परिस्थितियोंको बनाए रखते हैं, जिनसे ये आदर्श कायम रह सकें।

हिमालय के शांत लेकिन कठिन वातावरण के बीच अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए सीजेआई ने सैनिकों की बहादुरी को नमन किया और 1962 के रेजांग ला युद्ध का खास तौर से जिक्र किया। उन्होंने मेजर शैतान सिंह भाटी और 13 कुमाऊं की चार्ली कंपनी के 114 जवानों के बलिदान को याद किया।

'अदालत और सैनिक का काम अलग-अलग होते हुए भी एक'

उन्होंने कहा, संविधान अधिकार, गरिमा, समानता और न्याय की बात करता है। लेकिन इन वादों को बनाए रखने की परिस्थितियां आप ही (सैनिक) सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा, कोई भी देश स्वतंत्रता या न्याय की बात नहीं कर सकता, अगर वह अपनी संप्रभुता, स्थिरता और शांति को सुरक्षित नहीं रख सकता। इस दृष्टि से अदालत और सैनिक का काम अलग-अलग होते हुए भी एक ही उद्देश्य से जुड़ा है और एक-दूसरे के पूरक हैं।

सैनिकों की समस्याओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वर्दी में सेवा करने से जीवन की सामान्य परेशानियां खत्म नहीं हो जातीं और एक सैनिक को जमीन विवाद जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, एक पूर्व सैनिक को सेवा या कल्याण से जुड़े अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। जबकि परिवार को पेंशन में देरी, आवास की समस्या, वैवाहिक विवाद या प्रशासनिक उदासीनता जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

'एक साथ दो लड़ाइयां न लड़ें सैनिक'

उन्होंने कहा, देश को कभी भी अपने सैनिकों को ऐसी स्थिति में नहीं रखना चाहिए कि वे एक साथ दो लड़ाइयां लड़ें- एक सीमा पर और दूसरी अपने हक के लिए घर पर। कानून को सैनिक तक पहुंचना चाहिए, क्योंकि हर बार सैनिक कानून तक नहीं पहुंच सकता। उन्होंने कहा, यह केवल सहानुभूति का नहीं, बल्कि सांविधानिक जिम्मेदारी का मामला है।

देश को नीचा दिखाने का प्रयत्न नहीं करे विपक्ष, प्रधानमंत्री की साख दुनिया में सबसे ऊपर : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विपक्ष पर देश को नीचा दिखाने का प्रयत्न करने का आरोप लगाते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि देश की अर्थव्यवस्था के सभी संकेतक मजबूत स्थिति में हैं और दुनिया के सभी देशों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साख सबसे ऊपर है। सीतारमण ने लोकसभा में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह बात कही।

समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्य धर्मेंद्र यादव ने पूरक प्रश्न पूछते हुए कहा कि केंद्र में राजग सरकार बनने से पहले भाजपा के नेता कहते थे कि डॉलर के मुकाबले रुपये का मूल्य गिरने से प्रधानमंत्री की साख भी गिरती है तो क्या आज जब भारतीय मुद्रा अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले इतने निचले स्तर पर है तो क्या वित्त मंत्री आज भी इस बात पर कायम हैं कि प्रधानमंत्री की साख गिर रही है।

सीतारमण ने जवाब में कहा कि एक हालिया वैश्विक सर्वेक्षण में दुनिया के सभी प्रधानमंत्रियों, राष्ट्रपतियों की लोकप्रियता में भारत के प्रधानमंत्री की साख सबसे ऊपर है। इस पर विपक्षी सदस्यों ने टोकाटोकी की। वित्त मंत्री ने कहा, ''भारत

के प्रधानमंत्री की साख सबसे ऊपर है। इनके लिए यह बात पचा पाना मुश्किल है। इसलिए बार-बार प्रश्नचिह्न उठाया जा रहा है।''

उन्होंने कहा कि राजकोषीय स्थिति, राजकोषीय घांटे के पांच साल के प्रबंधन पर दुनियाभर में हो रही प्रशंसा को देखें तो भारत की अर्थव्यवस्था एकदम मजबूत है। वित्त मंत्री ने कहा कि जब कांग्रेस नीत सरकार के समय अर्थव्यव्था के सभी आधारभूत तत्व कमजोर थे और देश पांच सबसे कजोर अर्थव्यवस्था में गिना जाने लगा था, तब भाजपा ने चिंता जताई थी।

उन्होंने कहा, ''लेकिन आज जब अर्थव्यवस्था के सभी आधारभूत ठीकठाक हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति को भी देखें तो अर्थव्यवस्था सही स्थिति में है। जब अन्य देशों की अर्थव्यवस्था ऊपर-नीचे जा रही है, तो ऐसे में भी भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है।'' सीतारमण ने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा, ''ये केवल एक विषय को पकड़कर पूरे व्यापक आर्थिक मुद्दे को, देशवासियों की मेहतन, किसानों की मेहतन को कमजोर दिखा रहे हैं। विपक्ष को देश के साथ खड़े रहने चाहिए।

देश को नीचा दिखाने का प्रयत्न करना ठीक नहीं है।'' उनसे पहले वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि जहां तक विदेशी मुद्रा के सापेक्ष रुपये के मूल्य की बात है तो यह बाजार आधारित होता है और बाजार कई घरेलू एवं बाहरी कारकों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि अगर मुद्रास्फीति, जीडीपी की विकास दर, चालू खाता घाटा, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र, घरेलू मांग और विदेशी निर्यात आदि देश की अर्थव्यवस्था के बुनियादी तत्वों और संकेतकों को देखें तो ये मजबूत हैं।

चौधरी ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थिति अनिश्चितता से भरी हैं जिसकी वजह से डॉलर का प्रवाह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार और आरबीआई सतत नजर रख रहे हैं तथा आम जनता की समस्याओं से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अन्याय किसी के साथ भी हो सकता पर हथियार उठाना कितना सही, लोकसभा में नक्सलवाद पर बोले अमित शाह

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ के बस्तर में इसे लगभग समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कांग्रेस पर अपने कार्यकाल के दौरान प्रभावित क्षेत्रों में आदिवासियों के कल्याणकारी लाभ सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। लोकसभा में नक्सलवाद उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का विवरण देते हुए अमित शाह ने कांग्रेस से सवाल किया कि पार्टी ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रगति क्यों सुनिश्चित नहीं की, और कहा कि वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) का विकास से कोई संबंध नहीं है।

अमित शाह ने कहा कि आपका लड़ने का तरीका क्या है, हम अंग्रेजों के शासन में नहीं रह रहे हैं। कुछ लोगों ने भगत सिंह जी और बिरसा मुंडा से तुलना ऐसे लोगों से कर दी, जो अक्षम्य है। आपलोग क्या हिमाकत कर रहे हैं। शहीद भगत सिंह और भगवान बिरसा

मुंडा, जो अंग्रेजों के सामने लड़े, और आप उनकी तुलना संविधान तोड़कर, हाथ में हथियार लेकर निर्दोषों की हत्या करने वालों से कर रहे हैं? मैं कहना चाहता हूं कि ऐसे विषयों में राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठ जाना चाहिए। लोकसभा में नक्सलवाद उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का विवरण देते हुए अमित शाह ने कांग्रेस से सवाल किया कि पार्टी ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रगति क्यों सुनिश्चित नहीं की, और कहा कि वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) का विकास से कोई संबंध नहीं है।

संवाद की वकालत करने वालों से मैं वही बात दोहराना चाहता हूँ जो मैंने बस्तर के सार्वजनिक मंचों से कई बार कही हैः अपने हथियार डाल दो, और सरकार तुम्हारा पुनर्वास सुनिश्चित करेगी। लेकिन वे हथियार डालने से इनकार कर रहे हैं। हमारी सरकार की नीति स्पष्ट है। हम उन लोगों से बातचीत के लिए तैयार हैं जो अपने हथियार डाल देते हैं। हिंसा का रास्ता चुनने वालों को कड़ा जवाब दिया जाएगा। अब नक्सलवाद से मुक्त भारत की रचना भी मोदी जी के शासन के अंदर ही हो रही है।

भाजपा पर ममता का 'फूट डालो और राज करो' का आरोप, कहा हिंदू-मुस्लिम को बांटकर देश लूट रही है

कोलकाता **(एजेंसी)**। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा कराने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह इस स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है। मुख्यमंत्री ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल सरकार के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सियासी 'आरोपपत्र' पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, 'पहला आरोपपत्र उनके (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह) खिलाफ दाखिल किया जाना चाहिए, जिन्होंने दंगे भड़काकर सत्ता हासिल की।'

उन्होंने पश्चिम मेदिनीपुर जिले

में रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, 'भाजपा समाज के सभी वर्गों में झगड़ा करा रही है। वह ऐसी स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है।' उन्होंने भाजपा पर प्रशासनिक व पुलिस सेवाओं तक सभी मामलों में हिंदू और मुसलमानों को बांटने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

उन्होंने दावा किया कि सिविल सेवा के सदस्यों और 'उत्कृष्ट कार्य करने वालों' समेत कई सरकारी अधिकारियों का अपमान किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि कई वरिष्ठ अधिकारियों को निर्वाचन आयोग की मांग पर भाजपा के दबाव में दूसरे चुनावी राज्यों में 'मनमाने ढंग से' स्थानांतरित किया गया है।

तमिलनाडु चुनावः विजय के प्रचार अभियान में बेकाबू हुई भीड़, रोकना पड़ा कार्यक्रम; सुरक्षा में चूक का आरोप

चेन्नई। तमिलागा वेट्ट्री कड़गम (टीवीके) प्रमुख विजय ने सोमवार को अपने चुनाव प्रचार के दौरान सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी से शिकायत दर्ज कराई। तमिलगा वेट्रिट्र कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने कहा कि चेन्नई के पेरंबूर विधानसभा क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं होने के कारण उन्हें अपना प्रचार बीच में ही रोकना पड़ा।

विजय ने पुलिस पर लगाए आरोप

अपनी शिकायत में विजय ने कहा कि कम पुलिस व्यवस्था के चलते भीड़ नियंत्रण पूरी तरह विफल रहा, जिससे उनकी और आम लोगों की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो गया। उन्होंने बताया कि सड़कों पर भारी भीड़ के कारण उनका काफिला पूरी तरह रुक गया और तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ना संभव नहीं हो सका।

विजय ने इसे गंभीर चूक बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी बात कही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की लापरवाही चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती है।

पेरंबूर सीट से नामांकन दाखिल किया

बता दें कि विजय ने हाल ही में पेरंबूर सीट से नामांकन दाखिल किया है और आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव

2026 में अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे हैं। वह दो सीटों चेन्नई के पेरंबूर और तिरुचि ईस्ट से चुनाव लड़ रहे हैं।

नामांकन के बाद जब विजय ने पेरंबूर में प्रचार शुरू किया, तो उन्हें समर्थकों और आम जनता का जबरदस्त समर्थन मिला। हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर जुट गए। हालांकि, जैसे ही उनका काफिला कोलाथुर की ओर बढ़ा, भीड़ बेकाबू हो गई और सड़कों पर अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस की पर्याप्त मौजूदगी नहीं होने के कारण भीड़ को नियंत्रित नहीं किया जा सका, जिससे ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था फैल गई। सुरक्षा कारणों को देखते हुए विजय ने अपना प्रचार बीच में ही रोकने का फैसला लिया। इस घटना के बाद चुनावी माहौल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं, खासकर तब जब बड़े नेता और उम्मीदवार प्रचार अभियान तेज कर रहे हैं।

वडोदरा-नागदा खंड पर 'कवच 4.0' का सफल क्रियान्वयन, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने कवच युक्त विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

मुंबई-नई दिल्ली मुख्य मार्ग का बड़ा हिस्सा अब कवच प्रणाली से सुसज्जित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

ट्रेन संचालन में सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे ने 30 मार्च 2026 को वडोदरा-नागदा खंड पर कवच 4.0 प्रणाली का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने वडोदरा स्टेशन से कवच युक्त विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस प्रकार मिशन रफ्तार के अंतर्गत पश्चिम रेलवे के निर्धारित मुंबई-नई दिल्ली मुख्य मार्ग के 693 मार्ग किलोमीटर में से अधिकतम 559.5 मार्ग किलोमीटर पर यह प्रणाली स्थापित की जा चुकी है।

इस अवसर पर बोलते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने बताया कि आज वडोदरा से मंगल महुड़ी खंड (122.5 मार्ग किमी) तथा पंचपिपलिया से नागदा खंड (102.01 मार्ग किमी) के बीच कुल 224.51 मार्ग किलोमीटर पर कवच प्रणाली का सफल शुभारंभ किया गया है। मंगल महुड़ी और पंचपिपलिया के बीच प्रणाली की स्थापना कार्य प्रगति पर है और इसे शीघ्र ही स्वचालित सिग्नलिंग के साथ पूरा किया जाएगा। रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 659.5 मार्ग किलोमीटर पर कवच प्रणाली स्थापित की है। वडोदरा मंडल ने इससे पहले जनवरी 2026 में वडोदरा-विरार खंड पर कवच प्रणाली का क्रियान्वयन किया था और आज इसे वडोदरा से गोधरा होते हुए नागदा तक लागू किया गया है। कवच एक ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है जो मानवीय त्रुटियों के जोखिम को कम करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा परत प्रदान करती है। यह 'खतरे पर सिग्नल पार करना' (एसपीएडी) जैसी घटनाओं को रोकने में सहायक है।

वडोदरा-नागदा खंड पर इस जटिल कार्य को पूरा करने के लिए प्रत्येक स्टेशन और प्रत्येक पूर्ण/स्वचालित सिग्नलिंग खंड के लिए अलग-अलग योजनाएं तैयार की गईं, पटरियों पर 6000 से अधिक स्थानों पर आरएफआईडी टैग प्रोग्राम कर स्थापित किए गए, 26 स्टेशनों, 13 मध्यवर्ती खंडों और लोकोमोटिव के बीच निरंतर रेडियो संचार सुनिश्चित किया गया, कुल 39 रेडियो संचार टावर स्थापित किए गए और प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यक उपकरण लगाए गए, पूरे मार्ग के दोनों दिशाओं में लगभग 600 किलोमीटर लंबी ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई, प्रत्येक स्टेशन, मध्यवर्ती खंड और लेवल क्रॉसिंग गेट पर आधुनिक 'कवच' उपकरण स्थापित कर मौजूदा सिग्नलिंग प्रणाली के साथ एकीकृत किया गया, लोकोमोटिव में भी 'कवच' उपकरण लगाए गए तथा अंत में पूरे सिस्टम का सफल परीक्षण और ट्रायल किया गया।

'आर्मर' प्रणाली अपने यूरोपीय समकक्ष (ईटीसीएस) की तुलना में काफी सस्ती है। वर्तमान में यह प्रणाली डब्ल्यूएपी-7, डब्ल्यूएजी-9 और डब्ल्यूएपी-5 लोकोमोटिव में स्थापित की गई है। जल्द ही इसे अन्य लोकोमोटिव में भी लागू किया जाएगा। पश्चिम रेलवे के कुल 364 लोकोमोटिव में 'आर्मर' प्रणाली लगाई जा चुकी है।

पश्चिम रेलवे आधुनिक और स्वदेशी तकनीकों को अपनाकर सुरक्षित, कुशल और भविष्य उन्मुख रेल नेटवर्क के निर्माण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

पश्चिम रेलवे द्वारा गंगाधरा में प्रथम ग्रीनफील्ड गति शक्ति कार्गो टर्मिनल का शुभारंभ

मुंबई मंडल ने रिकॉर्ड 8 माह में किया निर्माण; सूरत के औद्योगिक लॉजिस्टिक्स को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे ने 30 मार्च, 2026 को मुंबई सेंट्रल मंडल के अंतर्गत गंगाधरा में रेलवे भूमि पर अपने पहले ग्रीनफील्ड गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (उण्ऊ) का सफलतापूर्वक शुभारंभ कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस टर्मिनल का उद्घाटन पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार द्वारा किया गया, जिन्होंने इस अवसर पर पहली कंटेनर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर परिचालन का शुभारंभ भी किया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस टर्मिनल का विकास मेसर्स प्रिस्टीन कनेरिया लॉजिस्टिक्स पार्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है और इसे मात्र 8 महीनों के रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया है, जो भारतीय रेल पर अब तक का सबसे तेजी से निर्मित गति शक्ति कार्गो टर्मिनल है। यह अत्याधुनिक टर्मिनल लगभग 44,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला पूर्णतः रेलवे भूमि पर विकसित किया गया है और सूरत के औद्योगिक क्षेत्र की बढ़ती लॉजिस्टिक्स आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार है। यह टर्मिनल स्टील, वस्त्र, सीमेंट, फ्लाई ऐश, रसायन तथा उर्वरक सहित विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के प्रबंधन में सक्षम होगा, जिससे माल लदान में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा ग्राहकों को कुशल और प्रभावी लॉजिस्टिक्स सेवाएं प्राप्त होंगी।

इस टर्मिनल के शुरू होने से पश्चिम रेलवे के माल परिवहन क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। सड़क से रेल की ओर निर्बाध परिवहन को प्रोत्साहित करते हुए यह टर्मिनल सड़क यातायात में कमी लाएगा, कार्बन उत्सर्जन घटाएगा तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान देगा। साथ ही, मालगाड़ियों के तेज आवागमन और त्वरित टर्नअराउंड से परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी, जिससे माल एवं यात्री दोनों सेवाओं के लिए एक सुदृढ़ और उच्च गति वाले रेल नेटवर्क के विकास को बल मिलेगा।

यह उपलब्धि पश्चिम रेलवे की अवसंरचना विकास, ग्राहक-केंद्रित सेवाओं तथा भारत सरकार के गति शक्ति विजन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पश्चिम रेलवे इस प्रकार की पहलों के माध्यम से सतत, कुशल एवं भविष्य के अनुरूप परिवहन समाधान प्रदान करते हुए देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी।

नासिक का ढोंगी बाबा अशोक खराट एक्सपोज्ड

शुद्धिकरण' के नाम पर खेलता था घिनौना खेल! महिलाओं की आपबीती सुनकर हैरान रह जाएंगे

दिव्यांश

मुम्बई। महाराष्ट्र के नासिक से सामने आया अशोक खरात कांड देशभर में सनसनी फैला चुका है। खुद को धर्मगुरु और अंक ज्योतिष विशेषज्ञ बताने वाला यह व्यक्ति अब गंभीर यौन शोषण, ठगी और काले अनुष्ठानों के आरोपों में घिरा है। 18 मार्च को हुई उसकी गिरफ्तारी के बाद जैसे जैसे जांच आगे बढ़ रही है, वैसे वैसे इस पूरे नेटवर्क की परतें खुलती जा रही हैं। हम आपको बता दें कि अशोक खरात मर्चेंट नेवी में काम कर चुका है और उसे लोग कैप्टन के नाम से भी जानते थे। सेवानिवृत्ति के बाद उसने खुद को अंक गणना और तंत्र मंत्र का जानकार बताकर एक नई पहचान बनाई। नासिक के मिरगांव में उसने शिवनिका संस्थान और ईशान्येश्वर महादेव मंदिर की स्थापना की। धीरे धीरे उसने अपनी छवि एक ऐसे व्यक्ति की बना ली जो लोगों की शादी, संतान, व्यापार और पारिवारिक समस्याएं हल कर सकता है। गांव वालों के अनुसार, पिछले 15 से 16 साल में उसने 50 एकड़ से ज्यादा जमीन खरीदी और एक भव्य फार्महाउस बनाया, जिसकी कीमत लगभग 18 करोड रुपये बताई जाती है। उसके दरबार में बड़े अधिकारी, राजनेता और उद्योगपति तक पहुंचते थे। अपॉइंटमेंट के लिए हजारों रुपये देने पड़ते थे और महीनों तक इंतजार करना पड़ता था।

जांच में सामने आया है कि अशोक खरात लोगों के मन में डर और अंधविश्वास पैदा करता था। मंदिर में नकली सांप और जंगली जानवर रखकर रहस्यमय माहौल बनाया जाता था। महिलाओं को खास तौर पर निशाना बनाया जाता था। उन्हें यह विश्वास दिलाया जाता था कि उनके जीवन की समस्याएं केवल विशेष अनुष्ठान से ही खत्म हो सकती हैं। कई पीड़ित महिलाओं ने बताया कि उन्हें धमकाया जाता था कि अगर उन्होंने किसी को कुछ बताया तो उनके पति या बच्चों के साथ अनहोनी हो जाएगी। यही डर उन्हें चुप रहने पर मजबूर करता रहा।

पुलिस को जांच के दौरान एक पेन ड्राइव मिली जिसमें 58 अश्लील वीडियो क्लिप मिले। विशेष जांच टीम को अब तक 100 से ज्यादा संदिग्ध वीडियो के संकेत मिले हैं। आरोप है कि खरात अपने ऑफिस में लगे कैमरों के जरिए महिलाओं के वीडियो रिकॉर्ड करता था और बाद में उन्हें ब्लैकमेल करता था। एक महिला ने आरोप लगाया कि शादी और वैवाहिक जीवन सुधारने के नाम पर उसे कई बार बुलाया गया और बार बार उसके साथ दुराचार किया गया।

मध्य रेलवे द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश की भीड़ कम करने हेतु अतिरिक्त 46 विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी

(मुंबई से मडगांव के लिए 20 सेवाएं एवं मुंबई से सांतारागाछी के लिए 26 सेवाएं)

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेलवे ग्रीष्मकालीन मौसम के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए 46 अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाएगा। इनमें से 20 सेवाएं मुंबई सीएसएमटी से मडगांव के बीच तथा 26 सेवाएं मुंबई एलटीटी से सांतारागाछी के बीच चलाई जाएंगी।

विवरण निम्नानुसार हैः

सीएसएमटी-मडगांव-सीएसएमटी साप्ताहिक विशेष-(20 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 01019 साप्ताहिक विशेष प्रत्येक रविवार को 05.04.2026 से 07.06.2026 तक सीएसएमटी से 00.55 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 15.15 बजे मडगांव पहुंचेगी। (10 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 01020 साप्ताहिक विशेष प्रत्येक रविवार को 05.04.2026 से 07.06.2026 तक मडगांव से 16.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03.50 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। (10 सेवाएं)

ठहरावः दादर, ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, माणगांव, वीर, खेड़, चिपलून, सावरदा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अदावली, विलवड़े, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, कणकवली, सिंधुदुर्ग, वुडल, सावंतवाड़ी, थिविम एवं कर्माली

संरचनाः 1 एसी-2 टियर, 6 एसी-3 टियर, 9 स्लीपर श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी तथा 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन

एलटीटी-सांतारागाछी-एलटीटी साप्ताहिक विशेष-(26 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 01001 साप्ताहिक विशेष प्रत्येक मंगलवार को 21.04.2026 से 14.07.2026 तक एलटीटी मुंबई से 20.15 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 05.00 बजे सांतारागाछी पहुंचेगी। (13 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 01002 साप्ताहिक विशेष प्रत्येक गुरुवार को 23.04.2026 से 16.07.2026 तक सांतारागाछी से 15.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.45 बजे एलटीटी मुंबई पहुंचेगी। (13 सेवाएं)

ठहरावः ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, अकोला, बडनेरा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर एवं खड़गपुर

संरचनाः 2 एसी-2 टियर, 10 एसी-3 टियर इकॉनमी, 4 स्लीपर श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी तथा 2 जनरेटर वैन

आरक्षणः

विशेष ट्रेन संख्या 01019 के लिए बुकिंग 01.04.2026 से सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों एवं वेबसाइट www.irctc.co.in पर शुरू होगी।

विशेष ट्रेन संख्या 01001 के लिए बुकिंग 31.03.2026 से सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों एवं वेबसाइट www.irctc.co.in पर शुरू होगी।

अनारक्षित डिब्बों के लिए सामान्य शुल्क पर बुकिंग यूटीएस प्रणाली के माध्यम से की जा सकती है।

यात्री टिकट बुकिंग के लिए रेलवन ऐप भी डाउनलोड कर सकते हैं।

इन विशेष ट्रेनों के ठहराव पर विस्तृत समय-सारणी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें।

नवी मुंबई महानगरपालिका का 6704.43 करोड़ रुपये का बजट महासभा में प्रस्तुत

स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री अशोक पाटिल ने महापौर श्रीमती सुजाता पाटिल को बजट प्रस्तुत किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई महानगरपालिका की स्थायी समिति द्वारा तैयार वर्ष 2025-26 का संशोधित बजट तथा वर्ष 2026-27 का मूल बजट एक विशेष बैठक में स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री अशोक पाटिल द्वारा महापौर श्रीमती सुजाता पाटिल को प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर उपमहापौर श्री दशरथ भगत, आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे, सभागृह नेता श्री सागर नाईक तथा स्थायी समिति के सदस्य मंच पर उपस्थित थे। बजट प्रस्तुत करने के पश्चात स्थायी समिति अध्यक्ष ने सदन के समक्ष बजट की प्रमुख विशेषताएं प्रस्तुत कीं।

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम के अनुसार वर्ष 2025-26 के लिए प्रारंभिक शेष राशि 1839.58 करोड़ रुपये तथा जमा 3991.24 करोड़ रुपये है, जिससे कुल जमा 5830.82 करोड़ रुपये होता है और व्यय का संशोधित अनुमान 4564.98 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026-27 के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका का मूल बजट अनुमान, जिसमें प्रारंभिक शेष 1265.83 करोड़ रुपये, प्राप्ति 6704.43 करोड़ रुपये, व्यय 6689.43 करोड़ रुपये तथा शेष 15.00 करोड़ रुपये दर्शाया गया है, स्वीकृति हेतु महासभा के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

महापौर श्रीमती सुजाता पाटिल ने घोषणा की कि स्थायी समिति द्वारा प्रस्तुत बजट पर चर्चा के लिए 06 अप्रैल 2026 को प्रातः 11.00 बजे महासभा आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर परिवहन उपक्रम तथा वृक्ष प्राधिकरण के बजट भी प्रस्तुत किए गए।

स्थायी समिति अध्यक्ष श्री अशोक पाटिल ने यह संकल्प व्यक्त किया कि नवी मुंबई को देश के मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाने तथा प्रत्येक वार्ड के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं प्रदान कर एक प्रगतिशील, सुरक्षित और उत्कृष्ट शहर बनाने के लिए महत्वपूर्ण लोक उपयोगी परियोजनाओं को लागू करने हेतु ठोस कदम उठाए जाएंगे। (माननीय अध्यक्ष, स्थायी समिति के अभिमत की पीडीएफ प्रति संलग्न है।)

किसान केवल 'उत्पादक' ही नहीं बल्कि सफल 'उद्यमी' भी बनें- विपणन मंत्री जयकुमार रावल

मुंबई। बदलते समय में किसान केवल उत्पादक बनकर न रहें, बल्कि एक अच्छे उद्यमी भी बनें। इसके लिए विपणन विभाग आवश्यक कदम उठा रहा है। कृषि उत्पादन के साथ-साथ किसान विपणन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बिक्री के सभी पहलुओं में भाग लें, ऐसा प्रतिपादन विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रक्रिया से किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से किसानों के हित में एक व्यापक आंदोलन खड़ा होगा।

महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन मंडल और महाराष्ट्र एग्री बिजनेस नेटवर्क (मैग्नेट) द्वारा यशवंतराव चव्हाण केंद्र में आयोजित किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के राज्यस्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान बाजार व्यवस्था से अधिक आधुनिक, सुसज्जित और विश्वस्तरीय बाजार श्रृंखला स्थापित करने की आवश्यकता है। इसके लिए राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में वधन बंदरगाह क्षेत्र में लगभग 1200 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक बाजार समिति स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है।

पश्चिम रेलवे

शुद्धिपत्र

ई-प्रोक्योरमेंट संशोधन दिनांकः 27.03.2026, निविदा सूचना संख्या TRACK MACHINES-TIMS दिनांक 13-02-2026 के संदर्भ में। निविदा संख्या (ई-ऑफिस फाइल संख्या)ः W641-22-23-06C (E-434312)। जिसमें निविदा बंद होने की तिथि एवं समय 31.03.2026 के स्थान पर 17.04.2026 पढ़ा जाए। अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी। 1277

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल

टो/रिटेनिंग वॉल का प्रावधान

निविदा सूचना संख्याः DRM-BRC 214 वर्ष 2025-26 भारत के राष्ट्रपति की ओर से डिविजनल रेलवे मैनेजर (WA/C), वेस्टर्न रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 द्वारा नीचे दिए गए कामों के लिए सीलबंद ई-निविदा मंगाए गए हैं। **क्रमांक 1. टेंडर नंबर और काम का नामः DRM BRC 214 of 2025-26.** सूरत-वडोदरा खंडः- पुल संख्या 452 से 453 के बीच तटबंध की सुरक्षा के लिए टो/रिटेनिंग वॉल का प्रावधान। **काम की अनुमानित लागत (रुपये में) :** 6,40,05,936.19 **जमा की जाने वाली बिड सिक्योरिटी (रुपये में):** 12,80,100.00 **निविदा प्रस्तुत करने तथा निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** निविदा दिनांक 17.04.2026 को 15.00 बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है तथा उसी तिथि को 15.30 बजे खोली जानी है। **वेबसाइट विवरण तथा उस स्थान के निर्देश जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है कार्यालय का पताः वेबसाइटः www.ireps.gov.in.** मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004. BRC 414

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

केटरिंग यूनिटों के आवंटन के लिये ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक –रतलाम मंडल पश्चिम रेलवे ने मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर केटरिंग यूनिटों के आवंटन के लिये ई–नीलामी आमंत्रित की है। केटलॉग को **IREPS** वेबसाईट (ई–ऑक्शन) पर प्रकाशित किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है। केटलॉग संख्या : CTG-RTM-DIV-26. अनुबंध का प्रकार : Catering Units. लॉट नं : Catg-RTM-THDR-GMU-9-23-1, Catg-RTM-PPD-GMU-12-23-1, Catg-RTM-RAU-GMU-8-23-1, Catg-RTM-PIP-GMU-256-26-1, Catg-RTM-RJQ-GMU-7-23-1, Catg-RTM-FTD-GMU-24-23-1, Catg-RTM-FTD-GMU-25-23-1, Catg-RTM-DWX-SMU-251-26-1, Catg-RTM-RNJ-SMU-34-24-1, Catg-RTM-MGN-SMU-252-26-1, Catg-RTM-THDR-SMU-253-26-1, Catg-RTM-NBH-SMU-255-26-1. अनुबंध की अवधि – 5 वर्ष ई–नीलामी की तिथि और समय सभी लॉट के लिये ई–नीलामी दिनांक 14/04/2026 को 11:30 बजे प्रारंभ होगी। प्रारंभिक कुलिंग ऑफ अवधि 30 मिनट है। अनुक्रमिक लॉट को बंद करने का अंतराल 10 मिनट है। **IREPS** के ई–ऑक्शन मॉडयूल पर लॉटसाईज समापन समय देखा जा सकता है। SNP-525

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे विशेष ट्रेनें चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन एवं गंतव्य	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
05184	बांद्रा टर्मिनस - आज़मगढ़ (सुपरफास्ट)	06.04.2026 to 13.07.2026	10:45 hrs (सोमवार)	20:10 hrs (अगले दिन)
05183	आज़मगढ़ - बांद्रा टर्मिनस (सुपरफास्ट)	04.04.2026 to 11.07.2026	23:15 hrs (शनिवार)	08:10 hrs (सोमवार)
ठहरावः बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा इदगाह, टुंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज, प्रयागराज रामबाग, ज्ञानपुर रोड, बनारस, औंरीहार, मऊ और मुहम्मदाबाद स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः एसी 3-टियर इकोनॉमी, स्लीपर श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
05034	बांद्रा टर्मिनस - गोमती नगर	07.04.2026 to 14.07.2026	23:00 hrs (मंगलवार)	07:45 hrs (गुरूवार)
05033	गोमती नगर- बांद्रा टर्मिनस	06.04.2026 to 13.07.2026	14:00 hrs (सोमवार)	20:00 hrs (अगले दिन)
ठहरावः बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, बयाना, आगरा इदगाह, टुंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग और बादशाहनगर स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
02200	बांद्रा टर्मिनस - वीरांगना लक्ष्मीबाई (सुपरफास्ट)	04.04.2026 to 11.07.2026	05:10 hrs (शनिवार)	05:00 hrs (अगले दिन)
02199	वीरांगना लक्ष्मीबाई - बांद्रा टर्मिनस (सुपरफास्ट)	02.04.2026 to 09.07.2026	16:50 hrs (गुरूवार)	16:10 hrs (अगले दिन)
ठहरावः बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, बियावरा राजगढ़, चाचौड़ा बीनागंज, रुठियाई, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, डबरा और दतिया स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
04126	बांद्रा टर्मिनस - सूबेदारगंज (सुपरफास्ट)	07.04.2026 to 14.07.2026	11:15 hrs (मंगलवार)	17:00 hrs (अगले दिन)
04125	सूबेदारगंज - बांद्रा टर्मिनस (सुपरफास्ट)	06.04.2026 to 13.07.2026	05:20 hrs (सोमवार)	09:30 hrs (अगले दिन)
ठहरावः बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, रूपबास, फतेहपुर सीकरी, आगरा इदगाह, टुंडला, इटावा, गोविंदपुरी और फतेहपुर स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
05018	वलसाड - मऊ	05.04.2026 to 12.07.2026	15:10 hrs (रविवार)	00:45 hrs (मंगलवार)
05017	मऊ - वलसाड	04.04.2026 to 11.07.2026	03:45 hrs (शनिवार)	12:35 hrs (अगले दिन)
ठहरावः सूरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा इदगाह, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर, भटनी, सलेमपुर और बेल्थरा रोड स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				

समय-सारणी, ठहराव और संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं।

ट्रेन संख्या 05184, 05034, 02200, 04126 एवं 05018 के लिए बुकिंग 31.03.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर प्रारंभ होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराया पर विशेष ट्रेन के रूप में संचालित की जाएगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us & Follow us on:
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

सभी आरक्षित टिकटों के लिए कृपया मूल पहचान पत्र साथ रखें।

माओवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले सी-60 जवानों को राज्य सरकार की ओर से विशेष 'सी-60 पदक' दिया जाएगा- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। माओवाद के खिलाफ लड़ाई में महाराष्ट्र पुलिस ने निर्णायक सफलता हासिल की है। अब माओवाद की गतिविधियां राज्य में नगण्य स्तर पर आ गई हैं। इसलिए कम से कम तीन वर्ष तक सी-60 में सेवा देने वाले जवानों को राज्य सरकार की ओर से विशेष 'सी-60 पदक' देने की घोषणा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज की।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में पुलिस महानिदेशक कार्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की अर्धवार्षिक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में गृह राज्य मंत्री (ग्रामीण) पंकज भोयर, गृह राज्य मंत्री (शहरी) योगेश कदम, मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल, गृह विभाग की अपर मुख्य सचिव मनीषा म्हैसकर, पुलिस महानिदेशक सदानंद दाते तथा भारतीय पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

गडचिरोली जैसे क्षेत्रों में अब विकास की नई तस्वीर सामने आ रही है और लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हो रही हैं।

यह बताते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि माओवाद की गतिविधियां राज्य में अब नगण्य स्तर पर पहुंच गई हैं और अब इसके पुनरुत्थान को रोकना अगली बड़ी चुनौती है। इस संघर्ष में 244 पुलिस कर्मी शहीद हुए हैं, जबकि 609 नागरिकों ने अपने प्राण गंवाए हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने पुलिस तंत्र में आधुनिक तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि अपराध जांच और न्याय प्रक्रिया में 'एंड टू एंड' डिजिटलीकरण आवश्यक है। विभिन्न जांच और अपराध मॉडल्स का समन्वय कर पूरी आपराधिक न्याय प्रणाली को डिजिटल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। जांच से लेकर साक्ष्य संग्रह, चार्जशीट दाखिल करने तक सभी प्रक्रियाएं 100 प्रतिशत डिजिटल होने पर साक्ष्यों की शुद्धता और श्रृंखला अधिक मजबूत होगी। उन्होंने यह भी बताया कि नवी मुंबई में लागू ब्लॉकचेन आधारित साक्ष्य प्रबंधन प्रणाली की तरह यदि यह प्रणाली पूरे राज्य में लागू की जाए तो साक्ष्यों में छेड़छाड़ रोकी जा सकती है। अगले छह महीनों में सभी पुलिस थानों में यह प्रणाली लागू की जाएगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने 'सीआईडी' को निर्देश दिए कि जिन मामलों में दोष सिद्धि दर (कन्विक्शन रेट) कम रही है, उनका विश्लेषण किया जाए। गंभीर अपराधों में दोष सिद्धि दर बढ़ाने के लिए ठोस कार्यप्रणाली (एसओपी) और स्पष्ट रोडमैप तैयार करने को कहा गया। साथ ही पुलिस और सरकारी वकीलों के कार्य का अलग-अलग मूल्यांकन करने के लिए एक डैशबोर्ड विकसित करने पर भी जोर दिया गया। सड़क दुर्घटनाओं के संबंध में मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि नागपुर और मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर किए गए प्रयोगों से दुर्घटनाओं में कमी आई है। इसलिए उचित तकनीक और रणनीति अपनाकर मृत्यु दर कम करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

साइबर सुरक्षा के संबंध में मुख्यमंत्री फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ बेहतर समन्वय की आवश्यकता बताई। आपत्तिजनक या खतरनाक सामग्री को हटाने में देरी न हो, इसके लिए ठोस व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए। साइबर स्पेस में बढ़ती कट्टरता (रैडिकलाइजेशन) को ध्यान में रखते हुए सक्रिय उपाय करने के निर्देश भी दिए गए।

इंदू मिल स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक का कार्य 2027 तक पूरा करने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत- विधानसभा उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे

मुंबई। मुंबई के इंदू मिल में बनाए जा रहे भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के भव्य अंतरराष्ट्रीय स्मारक का कार्य वर्ष 2027 तक पूरा करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रयासरत है, ऐसा महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे ने कहा।

विधानसभा उपाध्यक्ष बनसोडे दो दिवसीय दिल्ली दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने गाजियाबाद स्थित प्रसिद्ध शिल्पकार राम सुतार की कार्यशाला का दौरा किया। उन्होंने इंदू मिल स्मारक के लिए तैयार किए जा रहे प्रतिमा कार्य का विस्तृत निरीक्षण किया और कार्य की वर्तमान स्थिति का गहन आकलन किया।

निरीक्षण के बाद महाराष्ट्र सदन में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने परियोजना की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी दी। स्मारक के लिए आवश्यक प्रमुख धातुओं के वैश्विक दामों में वृद्धि के कारण परियोजना की मूल निविदा लागत और वर्तमान वास्तविक खर्च में अंतर उत्पन्न हो गया है। इस अप्रत्याशित मूल्य वृद्धि से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त निधि की तत्काल व्यवस्था आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि इस अतिरिक्त निधि के संबंध में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की जाएगी। साथ ही एमएमआरडीए के माध्यम से संबंधित एजेंसियों को समय पर निधि उपलब्ध कराने के लिए शासन स्तर पर अनुरोध किया जाएगा।

स्मारक की प्रगति के बारे में उन्होंने बताया कि इंदू मिल में 350 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें से लगभग 50 फीट (जूते और पैंट का भाग) का कार्य पूरा हो चुका है। शेष भागों के निर्माण और संयोजन का कार्य शिल्पकार अनिल सुतार के तकनीकी मार्गदर्शन में आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए तेजी से जारी है।

वर्ष 2027 तक इस स्मारक को पूरा कर अनुयायियों के लिए खोलने का लक्ष्य रखा गया है। यह स्मारक वैश्विक स्तर पर एक महान श्रद्धास्थल और प्रेरणास्थल बनेगा, ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया।

'मेरा गांव, स्वस्थ गांव' अभियान 1 अप्रैल से शुरू

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों का स्वरूप बदलने और ग्रामीण जनता को उनके घर के पास ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने 'मेरा गांव, स्वस्थ गांव' यह अत्यंत महत्वाकांक्षी अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार के मार्गदर्शन में तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश आबिटकर और राज्यमंत्री मेघना साकोरे बोर्डीकर के नेतृत्व में यह राज्यव्यापी अभियान 1 अप्रैल से प्रारंभ किया जाएगा।

यह अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रहकर जनभागीदारी के माध्यम से एक व्यापक स्वास्थ्य आंदोलन बने, यही राज्य सरकार का उद्देश्य है। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गांव को स्वास्थ्य संपन्न बनाया जाएगा। इस योजना से गांव से लेकर राज्य स्तर तक स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही इस पहल के माध्यम से चिकित्सा सेवाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाई जाएंगी।

'मेरा गांव, स्वस्थ गांव' अभियान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें उपचार के बजाय रोकथाम पर जोर दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की स्वास्थ्य संबंधी आदतों में सकारात्मक बदलाव लाना और स्वस्थ जीवनशैली विकसित करना इसका मुख्य उद्देश्य है। इसमें केवल बीमारियों के उपचार पर ही नहीं, बल्कि उन्हें रोकने के लिए स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, सीवेज प्रबंधन और पोषण जैसे मूलभूत पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

संक्रामक रोगों के साथ-साथ बदलती जीवनशैली से होने वाले असंक्रामक रोग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों को भी इस अभियान में शामिल किया गया है। इस अभियान में ग्राम पंचायत से लेकर जिला परिषद की स्वास्थ्य व्यवस्था सक्रिय रूप से भाग लेगी। गांव-गांव में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाकर स्वस्थ गांव की अवधारणा को लागू करने का प्रयास किया जाएगा।

स्वस्थ गांवों को मिलेगा 'स्वास्थ्य संपन्न गांव' का खिताब

इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तर से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक तीन चरणों में समितियों का गठन किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति पूरे अभियान की निगरानी करेगी, जबकि स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव के नेतृत्व में कार्य समिति योजना के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी संभालेगी। गांव स्तर पर स्वास्थ्य मूल्यांकन के लिए विशेष मानदंड निर्धारित किए गए हैं। इन मानदंडों के आधार पर 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले गांवों को 'स्वास्थ्य संपन्न गांव' के रूप में सम्मानित किया जाएगा। ऐसे गांवों को स्मृति चिन्ह, प्रमाणपत्र और नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

इस अभियान के लिए राज्य सरकार ने 80.75 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिला परिषद, पंचायत समिति, गांव और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को करोड़ों रुपये तक के पुरस्कार दिए जाएंगे।

अजीत पवार को किनारे करने की कोशिश?

एनसीपी के पोस्टर से दादा-सुनेत्रा पवार गायब, तटकरे पर बड़ा आरोप

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के एक कार्यक्रम में एक पोस्टर पर दिवंगत अजीत पवार और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की तस्वीरें न होने के कारण राजनीतिक बवाल मच गया है। यह घटना 27 मार्च को रायगढ़ जिले में नवनिर्वाचित जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के अभिनंदन समारोह के दौरान घटी, जिसमें राज्य एनसीपी प्रमुख सुनील तटकरे भी उपस्थित थे। बैनर पर केवल तात्करे, उनकी बेटी और मंत्री अदिति तात्करे और उनके भाई अनिकेत तात्करे की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं, जबकि इस साल जनवरी में विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले अजीत पवार की तस्वीर को छोड़ दिया गया। शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट के दो विधायकों ने इस चूक को तुरंत उजागर किया। अजीत पवार के भतीजे और एनसीपी (एसपी) गुट के विधायक रोहित पवार ने आरोप लगाया कि सुनील तटकरे और प्रफुल पटेल उनकी बुआ सुनेत्रा पवार से एनसीपी की बागडोर छीनने की कोशिश कर रहे हैं।

रोहित पवार ने विवादित बैनर की तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जब जमींदार चुपके से किरायेदारों की 7/12 जमीन अपने नाम कर लेता है, तो यह इसका जीता-जागता उदाहरण है। ठीक वही बात जिसके बारे में हम बार-बार बात करते रहे हैं। इन आरोपों का जवाब देते हुए अदिति तटकरे ने गलती के लिए माफी मांगी और कहा कि ऐसे कार्यक्रम पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि मैं खेद व्यक्त करती हूँ। चाहे अजीतदादा हों या सुनेत्रकाकी, हमारे दिलों में उनका स्थान अटूट है। बैनर पर लगी तस्वीर के आधार पर हम सभी कार्यकर्ताओं की निष्ठा का आकलन नहीं करना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि फिर भी, इससे एक अच्छी बात सामने आई है–हमें अब समझ आ गया है कि स्थानीय स्तर पर किसी स्थानीय कार्यक्रम में हुई एक छोटी सी गलती को मुद्दा बनाने की प्रक्रिया कैसे काम करती है। भगवान ही जानता है कि इस मुद्दे को उछालने में आनंद लेने वालों को दादा के जीवित रहते उनकी आलोचना करने पर कितना पछतावा हो रहा होगा! वरना, पार्टी परिवार के मुखिया के रूप में काकी को हमारी गलती के लिए हमें फटकार लगाने का पूरा अधिकार है। अन्य एनसीपी नेताओं ने इन आरोपों को मगरमच्छ के आंसू बताया और रोहित पवार को अपनी पार्टी के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया।

मुंबई को झोपड़पट्टी मुक्त बनाने के लिए 'हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे नागरी लोककल्याण अभियान'

अब नई झोपड़पट्टियां न बनें इसके लिए 'नेत्रम' रखेगा नजर-उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की बड़ी घोषणा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई शहर को झोपड़पट्टी मुक्त बनाने के उद्देश्य से हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे नागरी लोककल्याण अभियान की घोषणा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने की। एक ओर झोपड़पट्टी पुनर्विकास को गति दी जाएगी, वहीं दूसरी ओर नेत्रम तकनीक की मदद से नई झोपड़ियां बनने से भी रोका जाएगा। हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे की जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर इस महत्वपूर्ण अभियान को लागू कर एक प्रकार से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है, ऐसा भी उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा।

राज्य सरकार के इस निर्णय से मुंबई में झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्रक्रिया को बड़ा बढ़ावा मिलेगा और नागरिकों को अधिक सुविधायुक्त एवं सुरक्षित घर उपलब्ध होने का मार्ग प्रशस्त होगा। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस अभियान के माध्यम से बालासाहेब ठाकरे के सपनों की झोपड़पट्टी मुक्त मुंबई बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

समूह पुनर्विकास को गति

इस अभियान में कम से कम 50 एकड़ से अधिक क्षेत्र और 51 प्रतिशत से अधिक झोपड़पट्टी क्षेत्र वाले समूहों को शामिल किया जाएगा। मुख्य रूप से निजी, सरकारी तथा अर्धसरकारी बड़ी जमीनों पर झोपड़पट्टी पुनर्विकास परियोजनाएं लागू करने के लिए झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण के अंतर्गत 'स्लम क्लस्टर रिडेवलपमेंट स्कीम' चलाई जाएगी। इसके लिए झोपड़पट्टी क्षेत्रों का मापन कर बायोमेट्रिक सर्वेक्षण किया जाएगा। इसके बाद बृहन्मुंबई महानगरपालिका, एमएमआरडीए, महाप्रित जैसी संस्थाओं के साथ समझौता किया जाएगा।

300 वर्ग फुट के आवास

झोपड़पट्टी पुनर्वसन योजना में पहले छोटे क्षेत्रफल के घर पाने वालों को बड़े घर देने का निर्णय लिया गया है। पहले 180, 225 और 269 वर्ग फुट के घर दिए जाते थे, लेकिन अब वर्तमान नीति के अनुसार 300 वर्ग फुट के घर दिए जाएंगे। इसके लिए पुराने प्रकल्पों का उन्नयन कर पुनर्विकास किया जाएगा।

नई झोपड़पट्टियां नहीं बनेंगी

इस महाअभियान में नेत्रम तकनीक का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाएगा। 'नेत्रम' के माध्यम से उपग्रह डेटा, जीआईएस प्रणाली और डिजिटल तकनीक का उपयोग कर नई झोपड़पट्टियां बनने से रोका जाएगा। उच्च गुणवत्ता वाली उपग्रह तस्वीरों की मदद से नई झोपड़ियों पर नजर रखी जाएगी।

इस संदर्भ में बिसाग-एन (बीआईएसएजी-एन) संस्था के वेब पोर्टल के माध्यम से झोपड़पट्टियों की सटीक जानकारी प्राप्त कर संबंधित विभागों को भेजने की व्यवस्था की जाएगी। झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण ने एक अलग कार्यान्वयन कक्ष स्थापित किया है और बृहन्मुंबई महानगरपालिका, म्हाडा तथा जिला कलेक्टर कार्यालयों को भी स्वतंत्र व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

हर चार महीने में (वर्ष में तीन बार) उपग्रह चित्र प्राप्त कर उनका विश्लेषण किया जाएगा और नई झोपड़ियों पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए व्यवस्था तैयार रखी जाएगी। संबंधित प्राधिकरणों को अपनी तथा निजी जमीनों पर निरीक्षण कर अवैध झोपड़ियों को हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

देखभाल शुल्क में सुधार

झोपड़पट्टी पुनर्विकास परियोजनाओं में अब ऊंची इमारतें बनाई जाएंगी, इसलिए वर्तमान देखभाल शुल्क बहुत कम है। इसे ध्यान में रखते हुए शुल्क में संशोधन का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में प्रति घर 40 हजार रुपये का शुल्क अपर्याप्त होने के कारण इमारत की ऊंचाई के अनुसार शुल्क निर्धारित किया जाएगा। 70 मीटर तक की इमारतों के लिए 1 लाख रुपये, 70 से 120 मीटर तक के लिए 2 लाख रुपये और 120 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली इमारतों के लिए 3 लाख रुपये शुल्क प्रस्तावित है। इसके लिए विकास नियंत्रण एवं प्रोत्साहन नियमावली 2034 में संशोधन की प्रक्रिया की गई है।

आइडिएशन कॉम्पिटिशन 3.0 विद्यार्थियों की नवाचार क्षमता को बढ़ावा देगा- मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। कौशल विकास विभाग के माध्यम से नवाचारों को प्रोत्साहित करने वाली आइडिएशन कॉम्पिटिशन 3.0 उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने और नवाचारों को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण उपक्रम साबित होगा, ऐसा कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने कहा।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग, रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र राज्य नवाचार सोसायटी तथा आईस्पार्क फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से आइडिएशन कॉम्पिटिशन 3.0 का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में मंत्री लोढ़ा बोल रहे थे।

अपर मुख्य सचिव मनीषा वर्मा ने इस अवसर पर कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग के माध्यम से चलाए जा रहे विभिन्न नवाचार प्रोत्साहन कार्यक्रमों की जानकारी दी। राज्य नवाचार सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीकांत पाटिल ने सोसायटी द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी।

रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय की कुलगुरु डॉ. अपूर्वा पालकर ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से इनक्यूबेशन के लिए आवश्यक सभी सहायता प्रदान की जाएगी। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी और बढ़ती संख्या से यह स्पष्ट होता है कि स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूती मिल रही है।

आइडिएशन कॉम्पिटिशन 3.0 में 400 विद्यार्थियों ने लिया भाग

रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय और महाराष्ट्र राज्य नवाचार सोसायटी के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के 8 जिलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। 50 से अधिक महाविद्यालयों के 130 समूहों ने इसमें सहभागिता की। इस प्रतियोगिता के तीन विजेताओं की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार को प्रोत्साहित करना, उसे विकसित करना तथा वास्तविक समस्याओं के लिए उद्यमशील समाधान तैयार करने में उन्हें सक्षम बनाना है। वर्ष 2024 में शुरू की गई यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में नवाचार और उद्यमशीलता की संस्कृति विकसित करने के लिए बनाई गई है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक सोच को टिकाऊ व्यवसायों में बदलने में सहायता मिलती है।

यह उपक्रम विद्यार्थियों को अपने विचारों को प्रभावी स्टार्टअप में बदलने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जहां उन्हें मार्गदर्शन, वित्तीय अवसर तथा इनक्यूबेशन सहायता प्राप्त होती है। आइडिएशन कॉम्पिटिशन 3.0 'प्री-इनक्यूबेशन प्रोग्राम' के माध्यम से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए प्रारंभिक विचार से लेकर एक मजबूत स्टार्टअप विकसित करने तक सहायता प्रदान करता है। इसमें नवाचार, समस्या समाधान और उद्यमशील सोच पर विशेष जोर दिया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को आवश्यक संसाधन और इकोसिस्टम समर्थन मिलता है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से संरचित उद्यमिता प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। इसमें विशेषज्ञ मार्गदर्शकों और उद्योग क्षेत्र के पेशेवरों के साथ गहन स्टार्टअप बूटकैंप, अन्य नवाचारी विचारकों और संस्थापकों के साथ सहयोग तथा नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध होते हैं। प्रतियोगिता पूर्ण करने पर प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है।

उत्कृष्ट विचारों के लिए 'सीड ग्रांट' के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त करने का अवसर भी मिलता है, साथ ही मुंबई स्थित आई स्पार्क इनक्यूबेशन फाउंडेशन में इनक्यूबेशन के लिए पात्र होने का अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

अप्रैल 2026 में 'विशेष डिजिटल खेती स्कूल'

राज्य के सभी किसानों से भाग लेने की अपील- कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे

मुंबई। नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना और पानी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में अप्रैल 2026 महीने में चार विशेष डिजिटल खेती स्कूल आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विभाग के विशेषज्ञों और प्रगतिशील किसानों की भागीदारी होगी। 1 से 22 अप्रैल 2026 के दौरान इन विशेष डिजिटल खेती स्कूलों का आयोजन किया जाएगा। इन खेती स्कूलों का सभी किसानों को लाभ लेना चाहिए, ऐसी अपील कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने की है।

विशेष डिजिटल खेती स्कूलों का समय-सारणी और विषय इस प्रकार हैं:

खेती स्कूल 1 (1 अप्रैल 2026) : बुवाई पूर्व तकनीक - बेड तैयार करना और बेड पर बुवाई, शून्य/न्यूनतम जुताई, अंतरफसल पद्धति, बीज की अंकुरण क्षमता की जांच और बीज उपचार।

खेती स्कूल 2 (8 अप्रैल 2026) : जैविक और प्राकृतिक इनपुट उत्पादन - बीजामृत, जीवामृत, नीम अर्क, दशपर्णी अर्क, ट्राइकोडर्मा बनाने की विधि और उनके लाभ।

खेती स्कूल 3 (15 अप्रैल 2026) : एकीकृत कीट प्रबंधन - ट्रैप फसलें, पक्षी बैठने के स्थान, चिपचिपे जाल, मित्र कीटों का संरक्षण, नीम और दशपर्णी अर्क का उपयोग।

खेती स्कूल 4 (22 अप्रैल 2026) : धान खेती के लिए उन्नत रोपण तकनीक - धान की सीधी बुवाई (डीएसआर), श्री पद्धति और यांत्रिक रोपण पद्धति।

सभी खेती स्कूल निर्धारित तिथियों पर शाम 7.30 बजे शुरू होंगे और इनका लाइव प्रसारण कृषि विभाग, नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना, पानी फाउंडेशन और उमेद के यूट्यूब चैनलों पर किया जाएगा।

बढ़ती जलवायु अनिश्चितता, वर्षा में कमी और प्राकृतिक आपदाओं के कारण पारंपरिक वर्षा आधारित खेती संकट में है तथा उत्पादन लागत बढ़ रही है। इससे निपटने के लिए कृषि विभाग के अंतर्गत नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना के माध्यम से महाराष्ट्र राज्य के लिए 'जलवायु अनुकूल तकनीक अभियान' शुरू किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य खेती की लागत कम करना और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी किसानों की आय सुनिश्चित करना है।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए कृषि विभाग के साथ-साथ कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र, उमेद, माविम, पशुपालन विभाग आदि भी सहभागी हैं। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण भाग जलवायु अनुकूल तकनीक पर आधारित विशेष डिजिटल खेती स्कूलों का आयोजन है।

राज्य की विभिन्न फसल प्रणालियों के लिए उपयोगी तकनीकों की जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध कराने के लिए इन डिजिटल खेती स्कूलों के माध्यम से कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और प्रगतिशील किसानों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाएगा।

किसान, महिला समूह, किसान उत्पादक कंपनियों के सदस्य, कृषि मंडल, बीज उत्पादक, फार्मर कप प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समूह तथा वन पट्टा धारक सभी को बड़ी संख्या में इन डिजिटल खेती स्कूलों से जुड़ने की अपील कृषि विभाग और नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना द्वारा की गई है।

सम्पादकीय

कानून सख्त, सोच कमजोर थम नहीं रहा दहेज के नाम पर मौत का सिलसिला

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि देश में सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद दहेज के लिए विवाहिता की हत्या या उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। इक्कीसवीं सदी में शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने के बावजूद इस मामले में समाज के एक हिस्से की रूढ़िवादी मानसिकता नहीं बदली है। यही नहीं, कानूनों को सख्ती से लागू करने के मामले में भी विभिन्न स्तरों पर लापरवाही देखी जाती है, जिस कारण इस कुप्रथा की जड़ें नष्ट होने के बजाय गहरी होती जा रही हैं। इसका दंश महिलाओं के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह उनकी जान पर भी भारी पड़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने एक फैसले में इस पर गहरी चिंता जताई और दहेज के मामलों में महिलाओं की मौत की घटनाओं को समाज पर गहरा धब्बा करार दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस सामाजिक कुरीति के कारण आज भी हजारों महिलाएं बेमौत मारी जाती हैं।

सरकारी स्तर पर देश में दहेज प्रथा पर अंकुश लगाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि इसकी वास्तविक तस्वीर बेहद चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2023 में दहेज संबंधी अपराधों के तहत दर्ज मामलों में चौदह फीसद की बढ़ोतरी देखी गई है। देश भर में इससे संबंधित पंद्रह हजार से अधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें छह हजार से ज्यादा महिलाओं की मौत हो गई। जबकि वर्ष 2022 और 2021 में यह संख्या क्रमशः 13, 479 और 13, 568 थी। सवाल है कि इस तरह की घटनाओं पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है? क्या वजह है कि दहेज प्रथा को बढ़ावा देने वालों में कानून का जरा भी खौफ नहीं है! इसके लिए निश्चित तौर पर कानून प्रवर्तन एजंसियों का ढुलमुल रवैया भी जिम्मेदार है। पुलिस की लापरवाही की वजह से कई बार दहेज से संबंधित मामलों के आरोपी अदालत में सबूतों के अभाव में बरी हो जाते हैं। कई दफा पीड़ित महिलाओं को शिकायत दर्ज कराने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, जो पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

दहेज प्रथा केवल सामाजिक बुराई ही नहीं, बल्कि मानवाधिकारों और गरिमा का भी गंभीर उल्लंघन है। मगर कई मामलों में पीड़ित महिलाओं के परिजन कानूनी जागरूकता की कमी और सामाजिक दबाव के कारण पुलिस में शिकायत तक दर्ज नहीं करा पाते। ऐसे में इस बात पर गहराई से विचार करने की जरूरत है कि क्या भौतिक वस्तुएं, पैसा और झूठी शान किसी महिला की जान से ज्यादा मूल्यवान है! इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि दहेज उत्पीड़न या हत्या के मामलों की शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को आसान बनाया जाए और ऐसे मामलों को गंभीरता से लेकर उनकी गहन जांच की जाए।

इस तरह के मामलों की सुनवाई त्वरित अदालतों में की जानी चाहिए, ताकि पीड़ित पक्ष को जल्द न्याय मिल सके। इसके साथ ही सामाजिक स्तर पर भी जागरूकता और अन्य पहलों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है, जैसे महिलाओं को शिक्षित और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना तथा बेटियों को लेकर समानता आधारित दृष्टिकोण को धरातल पर सही मायने में अमल में लाना। सच यह है कि कानूनी सख्ती के समांतर जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक किसी भी कुरीति को पूरी तरह खत्म कर पाना संभव नहीं है।

भारत चीन के आर्थिक संबंध 'दोस्ती' है या 'दबाव'? क्या ड्रैगन के चंगुल में फंसता चला जा रहा है हाथी?

भारत और चीन के बीच व्यापार का रिश्ता आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां सच्चाई और दिखावा आमने सामने खड़े हैं। ऊपर से सब कुछ तेजी से बढ़ता हुआ दिखता है, लेकिन अंदर ही अंदर यह रिश्ता भारत की आर्थिक रीढ़ पर दबाव डाल रहा है। यह कहानी केवल व्यापार की नहीं, बल्कि ताकत, निर्भरता और रणनीति की है।

हम आपको बता दें कि भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 155 अरब डॉलर से भी ऊपर पहुंच चुका है। पहली नजर में यह उपलब्धि लगती है, लेकिन यही आंकड़ा सबसे बड़ा खतरे का संकेत भी है। कारण साफ है, यह व्यापार संतुलित नहीं है। भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 116 अरब डॉलर के पार जा चुका है। इसका मतलब यह है कि भारत चीन से बहुत ज्यादा खरीद रहा है और बहुत कम बेच पा रहा है। चीन से आयात 135 अरब डॉलर के करीब है, जबकि भारत का निर्यात मुश्किल से 20 अरब डॉलर के आसपास सिमटा हुआ है। यह असंतुलन सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक निर्भरता का खुला सबूत है।

हम आपको बता दें कि भारत आज भी इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, दवाओं के कच्चे माल और सोलर

उपकरणों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। दरअसल सस्ती कीमतों का लालच भारत को इस जाल में बांधे हुए है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह सस्ता सौदा वास्तव में सस्ता है? जब एक देश आपकी सप्लाई चेन पर नियंत्रण रखता है, तो वह केवल व्यापार नहीं करता, बल्कि आपकी अर्थव्यवस्था पर भी असर डालता है। यही चीन कर रहा है।

हैरत की बात यह भी है कि गलवान जैसी घटनाओं के बाद उम्मीद थी कि भारत चीन से दूरी बना लेगा। लेकिन हकीकत उलट है। दोनों देशों के बीच व्यापार न केवल जारी है, बल्कि तेजी से बढ़ा है। कारण यही है कि भारत अभी भी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चीन पर निर्भर है। बुलेट ट्रेन परियोजना से लेकर औद्योगिक मशीनों तक, भारत को चीन से सामान लेना पड़ रहा है। यानी राजनीतिक तनाव अपनी जगह है, लेकिन आर्थिक मजबूरी अपनी जगह है।

मगर भारत अब इस असंतुलन को समझ चुका है और धीरे धीरे अपनी रणनीति बदल रहा है। देश में विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। छोटे और मध्यम उद्योगों को ताकत दी जा रही है। नए व्यापार समझौते किए जा रहे हैं ताकि निर्यात बढ़ सके। इसके साथ ही, ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत ने समझदारी दिखाई है। अब वह केवल एक स्रोत पर निर्भर नहीं रहना चाहता। तेल और गैस की सप्लाई को विविध बनाया जा रहा है। यह संकेत साफ है कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

दूसरी तरफ चीन अपनी स्थिति को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत लगा रहा है। उसका लक्ष्य साफ है कि उसे दुनिया की फैक्ट्री बने रहना है और हर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करनी है। हम आपको यह भी बता दें कि चीन का वैश्विक व्यापार अधिशेष लगातार बढ़ रहा है। वह नए बाजारों में घुस रहा है और तकनीकी तथा खनिज संसाधनों पर नियंत्रण बढ़ा रहा है। यही वजह है कि भारत जैसे देश चाहकर भी उससे पूरी तरह दूरी नहीं बना पा रहे हैं।

इसके अलावा, हाल के बयानों में चीन ने भारत के साथ सहयोग की बात कही है। लेकिन यह सहयोग उतना सीधा नहीं जितना दिखता है। इसके पीछे एक रणनीतिक खेल है। चीन चाहता है कि भारत उसके साथ खड़ा रहे, जबकि भारत अपनी स्वतंत्र आर्थिक पहचान बनाना चाहता है। यानी यह रिश्ता अब दोस्ती का नहीं, बल्कि संतुलन का खेल बन चुका है। यह एक ऐसा दौर है जहां दोनों देश एक दूसरे से जुड़े भी हैं और एक दूसरे से बचने की कोशिश भी कर रहे हैं।

इसमें भी कोई दो राय नहीं कि आने वाले समय में भारत और चीन के बीच आर्थिक मुकाबला और तेज होने वाला है क्योंकि सप्लाई चेन का बंटवारा होगा, नए विनिर्माण केंद्र उभरेंगे और तकनीक के क्षेत्र में सीधी टक्कर होगी। भारत अगर अपनी रणनीति पर कायम रहता है, तो वह इस असंतुलन को धीरे धीरे कम कर सकता है। लेकिन अगर वह चूक गया, तो यह निर्भरता और गहरी हो जाएगी।

बहरहाल, भारत और चीन का व्यापार संबंध एक दोधारी तलवार है। एक तरफ यह आर्थिक अवसर देता है, दूसरी तरफ यह निर्भरता का खतरा भी पैदा करता है। अब फैसला भारत के हाथ में है कि वह इस रिश्ते को अपने पक्ष में मोड़ता है या फिर आंकड़ों की चमक में छिपे खतरे को नजरअंदाज करता रहता है। क्योंकि सच्चाई यही है, यह व्यापार नहीं, बल्कि आर्थिक शक्ति की लड़ाई है।

ध्यान भटका तो मंजिल छूटी स्क्रीन के दौर में एकाग्रता ही असली जीत की कुंजी

मन न भटकने पर ही हरेक मंजिल टिकी होती है। कार्य क्षेत्र का समय रहते सही चयन ही उज्ज्वल मुकाम के दरवाजे की ओर ले जाता है। विख्यात चीनी विचारक चिन निंग इसे यों समझाते हैं- 'चयन का सफल मार्ग वही होता है, जो स्वयं के लिए अपनी समझ से बनाया जाता है, न कि दूसरों की देखा-देखी या उनके सपनों के पीछे भागने से।'

लेकिन कार्य क्षेत्र के चयन से ही सफलता नहीं मिल जाती। हर मैदान पर जीत के लिए एकाग्र होना बहुत जरूरी है। आज की पीढ़ी के लिए तो एकाग्रता कायम रखना और कठिन हो गया है, क्योंकि पल-पल ध्यान भटकाने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप जैसे सोशल मीडिया के कई लोकप्रिय जरिए उनकी मुट्ठी में हैं।

पहले के जमाने में ऐसा नहीं था, न ही इतना संघर्ष था, क्योंकि इस कदर प्रतिस्पर्धा भी नहीं थी। आज की पीढ़ी पढ़ाई और प्रशिक्षण के बीच ही मोबाइल में अटक जाती है। मन न भटके, शायद इसीलिए स्कूली पढ़ाई के अलावा कोचिंग कक्षाओं का चलन बढ़ा है। बच्चे खुद से पढ़ाई करने के अभ्यास से दूर हो रहे हैं।

हाल ही में भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण ज्यादातर छात्र-छात्राओं का कहना है कि उन्होंने कोचिंग का रास्ता न अपना कर अपने स्तर पर एकाग्र होकर पढ़ाई की थी।

अब तो टीवी चैनलों की धुआंधार प्रस्तुतियां और मोबाइल, रील, ओटीटी, यूट्यूब वगैरह साधनों की भरमार के चलते स्क्रीन पर नजरें गड़ाए रखने की अवधि पर रोक लगाना मुमकिन नहीं रह गया है, लेकिन जब प्रतिस्पर्धा कम थी, तब भी दूरदर्शन के दौर में विद्यार्थियों वाले घर-परिवारों में परीक्षाओं से एक-दो हफ्ते पहले टीवी देखने पर पूरी तरह रोक लगा दी जाती थी।

यानी परीक्षाओं से एक महीना पहले से टीवी बंद हो जाता था। इस दौरान बच्चे तो बच्चे, परिवार का कोई सदस्य टीवी नहीं देखता था। मकसद था कि पढ़ाई के दौरान बच्चों की एकाग्रता कम न हो। आखिरी परीक्षा के बाद अभिभावक सिनेमाघर में बच्चों को फिल्म दिखा कर बेशक मनोरंजन का कोटा पूरा करा देते थे।

जीवन में एक परीक्षा के बाद दूसरी, फिर तीसरी और चौथी के बाद भी परीक्षाओं का दौर जारी रहता है। दूसरे शब्दों में, आज अच्छे अंक प्राप्त करने के बावजूद कल से फिर जुटना और सीखना होता है। अब तो बारहवीं के बाद ही राष्ट्रीय स्तर के कालेजों में दाखिले के लिए विश्वविद्यालयों में प्रवेश परीक्षा की तैयारी शुरू हो जाती है।

अध्यापक, चिकित्सक, वकील, खिलाड़ी समेत सभी गैर कारोबारियों और कारोबारियों को भी निरंतर अध्ययन और अभ्यास करते रहना पड़ता है। न करने वाले अपने क्षेत्र में पीछे छूटते जाते हैं। इसलिए हर रोज एकाग्रता को बनाए रखना है। पहले से ज्यादा बेहतर बनने के लिए।

सफल लोग हिदायत देते हैं कि जो भी काम करें, उसे अपना सौ फीसद से ज्यादा दें। अपनी एकाग्रता या ध्यान न तोड़ें, खूब मेहनत करें, बुरे से बुरे और कठिन से कठिन हालात में भी जुटे रहें। परिवार की गरीबी या नजदीकियों की बीमारी जैसी परिस्थितियों में भी अपनी एकाग्रता कायम रखना ही सफलता की चाबी है। तय है कि भटक कर या लक्ष्य बदल-बदल कर मंजिल पर नहीं पहुंचा जा सकता।

हमेशा किसी खास या बड़े काम की तलाश करते रहने से लोग असंतुष्ट ही रहने लगते हैं। मिसाल के तौर पर, घुड़दौड़ प्रतियोगिता जीतने वाले घोड़े को तो यह भी नहीं मालूम होता है कि जीत क्या है। वह तो अपने मालिक द्वारा दी गयी तकलीफ के कारण दौड़ता है। इसलिए अगर हमारे जीवन में तकलीफ आती है, तो हमें जान लेना चाहिए कि हमारा मालिक हमें जिताना चाहता है।

किसी भी मैदान या कार्य क्षेत्र में अनगिनत अस्वीकार्यताएं सुनना चाहिए, लेकिन खुद पर भरोसे से भटकने की नौबत नहीं आए। मंजिल हासिल करने की जिद ही सुनहरे

भविष्य की नींव है। एक जाने-माने अभिनेता ने अपने साक्षात्कार में जाहिर किया था कि गैर फिल्मी परिवार से होने की वजह से उसके लिए फिल्मों में आना नामुमकिन था, लेकिन फिल्में उसकी मंजिल थीं। उसने थियेटर की दुनिया में हाथ-पैर मारे, हीरो के लिए चाय लाने से लेकर शूटिंग स्थल पर कुर्सियां जमाने तक पापड़ बेले।

शूटिंग स्थलों पर मौजूद लोगों के मोबाइल से फिल्म वालों के नंबर चुराता। फिर उनके दफ्तरों में चक्कर लगाता। वह अपनी धुन में झक मार कर जुटा रहा। एक रोज फिल्म वालों का बुलावा आया। नए चेहरे की तलाश में, उसका चयन हो गया। यह उसे उसके जुनून के पीछे भागने से ही मुमकिन हुआ।

विख्यात परामर्शदाता और लेखक जीन कालिंस ने लगातार पंद्रह सालों तक उच्च मुनाफा कमाने वाले ग्यारह उद्योगों का शोध अध्ययन किया और जाना कि सभी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी में विनम्रता और मजबूत इच्छाशक्ति की बराबर खासियत थी। विनम्रता से समझौता कतई नहीं किया जा सकता, क्योंकि अगर हम विनम्र नहीं हैं, तो सबसे पहले सुनना बंद कर देंगे। सुनेंगे नहीं, तो सीखना बंद हो जाएगा।

सीखना और करना कभी छोड़ना नहीं चाहिए। स्वयं को बेहतर बनाने में जुटे रहेंगे, तो हमारे काम खुद-ब-खुद बढ़िया होते जाएंगे। कभी दाएं-बाएं या पीछे मुड़ कर नहीं देखना चाहिए। काबिल बनने के लिए सदा प्रयत्नशील रहना लाजिमी है। एक फिल्म का लोकप्रिय संवाद भी है, 'कामयाब होने के लिए नहीं, काबिल बनने के लिए पढ़ो। कामयाबी झक मार के पीछे भागेगी !' यह तय है कि खेद जताने और उदास विचार की ऊर्जा दरअसल भटकाव बढ़ाने के अलावा और कुछ नहीं हासिल करातीं।

कागजी वादों से जमीनी हकीकत तक, क्या सच में बदल पाएगी भारत की ऊर्जा तस्वीर

देश में ऊर्जा के वैकल्पिक उपायों के रूप में हरित हाइड्रोजन को भी शामिल किया गया है। हाल में आयोजित 'इंडिया एनर्जी वीक 2026' के मंच पर सरकार की ओर से यह संकेत दिया गया कि हरित हाइड्रोजन की लागत अब चार डालर प्रति किलोग्राम से नीचे आ चुकी है, हालांकि दो डालर प्रति किलोग्राम का लक्ष्य अभी भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या यह मौजूदा उत्साह जमीनी हकीकत में तब्दील हो पाएगा या फिर तय लक्ष्य कागजों पर ही रह जाएंगे? ऐसा इसलिए, क्योंकि इस बदलाव में उत्साह और संकोच दोनों साथ-साथ चल रहे हैं।

भारत की ऊर्जा व्यवस्था अभी भी काफी हद तक जीवाश्म ईंधन पर टिकी हुई है। देश अपनी तेल जरूरतों का 85-88 फीसद आयात करता है। रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर मध्य-पूर्व और पश्चिमी यूरोप के तनावों तक, वैश्विक हालात लगातार अस्थिर बने हुए हैं। यह स्थिति हमें ऊर्जा सुरक्षा के सवाल पर ला खड़ा करती है। विदेशी मुद्रा पर जब दबाव बढ़ता है, तो अर्थव्यवस्था भी इससे अछूती नहीं रहती। ऐसे में हरित हाइड्रोजन को ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जाना स्वाभाविक है।

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन-2023 इस दिशा में एक बड़ा कदम है। मगर ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक जितनी सरल दिखती है, उसे पूरी तरह जमीन पर उतारना उतना ही कठिन है। वर्ष 2030 तक पांच मिलियन टन उत्पादन का लक्ष्य, 19, 744 करोड़ रुपए का निवेश और 125 गीगावाट अतिरिक्त नवीकरणीय क्षमता- ये लक्ष्य इस बात के संकेत हैं कि सरकार इस क्षेत्र को लेकर गंभीर है। फरवरी, 2026 तक 18-19 कंपनियों को हरित हाइड्रोजन का करीब 8.62 लाख टन सालाना उत्पादन क्षमता का आबंटन किया जा चुका है। कांडला, तूतीकोरिन और परादीप जैसे बंदरगाहों को हाइड्रोजन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। कागजों पर यह पूरी योजना मजबूत और सोच-समझकर बनाई गई लगती है। मगर ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि लक्ष्य तय करना आसान है, पर उन्हें टिकाए रखना ही असली चुनौती है।

इस मिशन में लागत का सवाल अभी भी सबसे अहम है। आखिर हरित हाइड्रोजन कितने समय तक महंगी रहेगी। उद्योग जगत इसे अपनाने में पूरे उत्साह से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। स्पष्ट है कि जब तक लागत भरोसे के साथ नीचे नहीं आती, तब तक बड़े स्तर पर निवेश आसान नहीं होगा। सीधे शब्दों में कहें तो फिलहाल हरित हाइड्रोजन को अपनाना पर्यावरण की चिंता से जुड़ा फैसला है, न कि आर्थिक मजबूरी।

बुनियादी ढांचे की कमी इस चुनौती को और बढ़ा देती है। हाइड्रोजन को सुरक्षित तरीके से जमा करना और एक जगह से दूसरी जगह ले जाना आसान नहीं है। इसके लिए खास पाइपलाइन, टैंक और सुरक्षा इंतजाम चाहिए। हाल में भारत और ब्रिटेन के बीच ऊर्जा सहयोग को लेकर बातचीत जरूर हुई है, लेकिन जमीन पर इसका ढांचा बनने में समय लगेगा। यहां संसाधनों के सवाल पर भी ध्यान देना जरूरी है। एक किलोग्राम हरित हाइड्रोजन बनाने के लिए करीब नौ लीटर पानी चाहिए। ऐसे में राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा या दक्षिण भारत के सूखा-प्रभावित इलाकों में बड़े संयंत्र लगाना आसान नहीं होगा।

इसी तरह, बड़ी सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण को लेकर गुजरात के कच्छ, राजस्थान के जैसलमेर-बाड़मेर और कर्नाटक के कुछ इलाकों में किसानों तथा चरवाहा समुदायों के बीच चिंता एवं विरोध भी देखा गया है।

इस सबके बीच असली सवाल सोच का है। अभी हरित हाइड्रोजन की ज्यादातर योजनाएं बड़े उद्योगों के इर्द-गिर्द केंद्रित हैं। यह ऊपर से नीचे की ओर जाने वाला माडल है, जिसमें बड़े निवेश और वैश्विक बाजार पर ध्यान है। इन क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल जरूरी है, लेकिन क्या ऊर्जा बदलाव का मकसद सिर्फ इतना ही है?

दरअसल, यहां ऊर्जा नीति निर्माण और ऊर्जा से चलने वाली जिंदगी के बीच की खाई साफ दिखाई देती है। ऊपर की दुनिया में लक्ष्य, निवेश और निर्यात की बातें हैं, जबकि नीचे की दुनिया में रोजमर्रा की जरूरतें, अनिश्चित आपूर्ति और सीमित साधन। जब तक यह अंतर बना रहेगा, कोई भी बड़ा ऊर्जा बदलाव अधूरा ही रहेगा। यही वजह है कि ऊर्जा के सवाल को केवल उत्पादन और आपूर्ति के ढांचे में नहीं, बल्कि उसके सामाजिक असर के साथ जोड़कर देखना होगा।

अगर कोई तकनीक केवल बड़े उद्योगों या शहरी केंद्रों तक सीमित रह जाती है, तो उसका असर भी सीमित हो जाता है। भारत जैसे देश में जहां ऊर्जा की असमानता पहले से मौजूद है, वहां जोखिम और गहरा हो जाता है। इसलिए हरित हाइड्रोजन की चर्चा केवल उत्पादन के आंकड़ों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह भी देखना होगा कि यह किसके जीवन में बदलाव ला रही है और कौन इसके दायरे से बाहर है।

यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि क्या हम दुनिया के ऊर्जा बाजार में अपनी जगह बनाने की जल्दी में हैं, या अपने देश के भीतर की ऊर्जा असमानताओं को दूर करने के लिए भी उतने ही गंभीर हैं? भारत में ऊर्जा केवल उत्पादन का मामला नहीं, बल्कि यह भी है कि किसे कितनी और कैसी ऊर्जा मिलती है- इसी से तय होता है कि विकास किसके हिस्से आता है और किसके नहीं।

भारत की असली ऊर्जा जरूरतें जमीनी स्तर पर हैं। गांवों में बिजली की किल्लत, किसानों की सिंचाई, लघु उद्योग और शहरों में गरीब तबके की रोजमर्रा की खपत- यहीं ऊर्जा की जरूरत के महत्त्व का पता चलता है। अगर हरित हाइड्रोजन इन जरूरतों से जुड़ती है, तो यह वास्तविक बदलाव की दिशा तय कर सकती है और अगर नहीं, तो यह सिर्फ एक नीतिगत उपलब्धि बनकर रह जाएगी।

अगर हरित हाइड्रोजन बड़े उद्योगों तक ही सीमित रही, तो यह दिखने में अच्छी, लेकिन अधूरी पहल बनकर रह जाएगी। यदि इसे छोटे स्तर पर स्थानीय जरूरतों के हिसाब से विकसित किया जाए, तो यह लोगों के जीवन में असली बदलाव ला सकती है। ऐसे माडल ऊर्जा को केवल आपूर्ति नहीं, बल्कि सशक्तीकरण का साधन भी बना सकते हैं।

हाल में बायोमास आधारित छोटे प्रयोग और 'आफ-ग्रिड' उपयोग की कोशिशें शुरू हुई हैं। अभी ये प्रयास छोटे हैं, लेकिन आगे का रास्ता दिखाते हैं। हरित हाइड्रोजन का विकल्प भारत के लिए एक बड़ा मौका भी है। इससे देश वैश्विक हरित ऊर्जा बाजार में अपनी जगह बना सकता है, रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं और वर्ष 2070 के शून्य कार्बन लक्ष्य की दिशा में मदद मिल सकती है।

मगर सच यही है कि इसे आम और सुलभ ऊर्जा विकल्प बनने में अभी दस से पंद्रह साल का वक्त लग सकता है। इस दौरान लागत घटानी होगी, तकनीक को बेहतर बनाना होगा और जरूरी ढांचा तैयार करना होगा। अब सवाल यह नहीं है कि हरित हाइड्रोजन संभव है या नहीं, बल्कि यह है कि हम उसे किस दिशा में ले जाते हैं। वही दिशा तय करेगी कि यह भारत की ऊर्जा जरूरतों का अहम अध्याय बनेगी, या फिर एक अधूरी संभावना बनकर रह जाएगी।

प्राथमिक विद्यालय कुसुगूर में वार्षिकोत्सव व परीक्षाफल वितरण समारोह धूमधाम से संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। क्षेत्र के विकासखंड बहरिया अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय कुसुगूर में वार्षिकोत्सव एवं परीक्षाफल वितरण समारोह बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और ग्रामीणों की भारी उपस्थिति रही, जिससे विद्यालय परिसर उत्सवमय नजर आयाकार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमडीएम प्रभारी राजीव त्रिपाठी रहे। उन्होंने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं ने पूरे वर्ष कठिन परिश्रम और लगन से पढ़ाई की है, जिसका परिणाम आज उन्हें प्राप्त हो रहा है। उन्होंने प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके

उज्ज्वल भविष्य की कामना की।मुख्य अतिथि ने उन बच्चों का भी उत्साहवर्धन किया जिन्हें इस बार पुरस्कार नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ी होती है और निरंतर प्रयास, अनुशासन व निष्ठा के साथ पढ़ाई करने से हर छात्र सफलता हासिल कर सकता है।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी बच्चों को प्रेरित करते हुए लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था एवं बच्चों के बेहतर प्रदर्शन को लेकर उपस्थित अभिभावकों और ग्रामीणों ने शिक्षक-शिक्षिकाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो रहा है।कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। गीत, नृत्य एवं नाटक के माध्यम से बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिस पर उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।अंत में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुशील एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा अतिथियों, अभिभावकों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया गया। समारोह के सफल आयोजन से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल रहा। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी, अभिभावक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय मटियारा में वार्षिकोत्सव व परीक्षाफल वितरण समारोह धूमधाम से संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। विकासखंड के सोराम क्षेत्र अंतर्गत स्थित प्राथमिक विद्यालय मटियारा में वार्षिकोत्सव एवं परीक्षाफल वितरण समारोह बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और ग्रामीणों की भारी उपस्थिति रही, जिससे पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्र अ कला देवी थी उन्होंने मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पूरे वर्ष छात्र-छात्राओं ने कठिन परिश्रम और लगन से पढ़ाई की है, जिसके परिणामस्वरूप आज उन्हें उनके परिश्रम का फल प्राप्त हो रहा है। उन्होंने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।मुख्य अतिथि ने उन बच्चों का भी उत्साहवर्धन किया जिन्हें इस बार पुरस्कार नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि असफलता सफलता की सीढ़ी होती है और निरंतर प्रयास, अनुशासन एवं निष्ठा के साथ

पढ़ाई करने से हर छात्र सफलता हासिल कर सकता है इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हें आगे बढ़ने, लक्ष्य निर्धारित करने और मेहनत के साथ पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था और बच्चों के बेहतर प्रदर्शन को लेकर उपस्थित अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने शिक्षक-शिक्षिकाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय मेंगुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो रहा है।कार्यक्रम में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने गीत, नृत्य और नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिस पर उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।अंत में विद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया गया। समारोह सफलतापूर्वक संपन्न होने पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल रहा। इस मौके पर विद्यालय की प्र अ डॉ रीना सिंह शिक्षिका वंदना मधुलिका सिंह अखिलेश कुमार आरती पटेल अर्चना शैल कुमारी वंदना मिश्रा सुप्रिया विश्वकर्मा आदि शिक्षक परिवार विद्यालय प्रबंध समिति के अभय सिंह पटेल सहित तमाम अभिभावक विद्यालय परिसर में मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया कंपोजिट विद्यालय सुजौना का वार्षिकोत्सव

बच्चों को पुरस्कृत और अभिभावकों को सम्मानित किया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कंपोजिट विद्यालय सुजौना जसरा प्रयागराज का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया।इस दौरान विद्यालय को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।शिक्षिका नाज़िया सुल्ताना की देखरेख में बच्चों ने बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण कर वातावरण को उत्साह से भर दिया।विद्यालय का बच्चों का परीक्षाफल भी घोषित किया गया।परीक्षा में स्थान बनाने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कृत किया गया। अंशिका यादव कक्षा आठ को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्टुडेंट ऑफ द ईयर का खिताब दिया गया।विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्यामाकांत द्विवेदी ने उपस्थित अभिभावकों को भी माल्यार्पण कर उनका स्वागत और सम्मान किया। प्रधानाध्यापक श्यामाकांत द्विवेदी ने उपस्थित अभिभावकों से नवीन सत्र में सौ प्रतिशत बच्चों के नामांकन का आह्वान किया। अभिभावकों ने नवीन नामांकन में पूरा सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।शिक्षकों ने भावुक मन से कक्षा आठ के बच्चों की विदाई किया।प्रधानाध्यापक ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आठ साल आप लोगों ने बहुत अच्छे से इस विद्यालय में व्यतीत किया।आप सभी आगे भी अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए सफलता प्राप्त करते हुए विद्यालय परिवार और अपने माता-पिता का नाम रोशन करेंगे ऐसी हम सबकी अपेक्षा है।इस अवसर पर विद्यालय के भारतेन्द्र त्रिपाठी, सुनील कुमार शुक्ल, इरफ़ान अहमद, जितेन्द्र कुमार शर्मा, शरद कुमार, आशीष कुमार गुप्ता, शिशिर जायसवाल, राकेश कुमार, पूनम तिवारी, स्वामी नाथ, दिनेश केसरवानी, जितेन्द्र केसरवानी, सुखलाल, सिंटू लाल, पंकज कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

महापौर, विधायक और जिलाध्यक्ष की उपस्थिति में नामित पार्षदगणों का शपथ ग्रहण सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नगर निगम में आज उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नगर निगम 10 पार्षदगणों को महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी माननीय विधायक दीपक पटेल एवं विधानसभा सदस्य सुरेंद्र चौधरी तथा जिलाध्यक्ष संजय गुप्ता जी के कुशल नेतृत्व में शपथ ग्रहण समारोह हुआ शपथ ग्रहण लेने वाले पार्षदों में अखिलेश सिंह, अरुण कुमार मिश्रा, प्रवीण भारतीय, स्वरिका भारद्वाज, श्यामचंद हेला, दुर्गेश नंदिनी, राजेश कुशवाहा, बब्बन प्रजापति, दिलीप केसरवानी एवं लाल बहादुर साहू को नगर निगम के नई बिल्डिंग के सदन में शपथ दिलाई गई इस अवसर पर प्रयागराज नगर निगम के सभी सभासद श्री आशीष कुमार द्विवेदी मा0 पार्षद श्रीमती कुसुम लता रणविजय सिंह दीपिका सिंह पटेल एवं सदस्य सचिव सहित नगर निगम के सभी विभाग अधिकारीगण अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव अपर नगर आयुक्त राजीव कुमार शुक्ल अपर नगर आयुक्त अरविंद कुमार राय।/ जनसंम्पर्क अधिकारी संजय ममंगई मुख्य कर निर्धारण अधिकारी बालेंद्र मिश्र मुख्य लेखा परीक्षाअधिकारी /कर्मचारी उपस्थित रहे ।

स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम स्कूल थरवई में वार्षिक परीक्षा फल एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक परीक्षाफल एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम बड़े ही गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्रों, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व स्नातक एमएलसी सुरेश कुमार त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथि एसीपी थरवई रहे। दोनों अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य दिनेश कुमार पांडे ने की, जबकि मंच संचालन गौरव उपाध्याय ने किया।

परीक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सभी ने सराहना की। मुख्य अतिथि सुरेश कुमार त्रिपाठी ने छात्रों को परीक्षा फल एवं पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साह बढ़ाया। वहीं विशिष्ट अतिथि एसीपी ने भी मेधावी छात्रों को सम्मानित किया और उन्हें अनुशासन व मेहनत के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।वार्षिक परीक्षा परिणाम में विद्यालय के कई छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसकी उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सफलता का मूल मंत्र निरंतर प्रयास, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण है।कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रमुख रूप से यादवेंद्र कुमार पांडे (परीक्षा प्रमुख), अनुराधा त्रिपाठी, चंद्रधर तिवारी, सुशांत पांडे, गिरीश दुबे, आशुतोष पांडे (कार्यवाहक प्रधानाचार्य) एवं बाल जी मिश्रा सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।अंत में विद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया।

वाराणसी में एक नया टेक-इनेबल्ड पीडब्ल्यू विद्यापीठ केंद्र शुरू

वाराणसी। शिक्षा कंपनी फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने उत्तर प्रदेश

में अपने विस्तार को आगे बढ़ाते हुए वाराणसी के पहाड़िया में एक नया टेक-इनेबल्ड पीडब्ल्यू विद्यापीठ केंद्र शुरू किया है।

ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स ने वाराणसी हैंडलूम क्लस्टर में अपनी सेवाओं को दी मजबूती

वाराणसी। ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने वाराणसी हैंडलूम क्लस्टर की वृद्धि और सफलता में अपना योगदान देने के लिए अपने संकल्प को सुदृढ़ किया है, जहां हजारों बुनकर, कारोबारी और एमएसएमई

दुनियाभर में मशहूर बनारसी सिल्क साड़ी और अन्य हैंडलूम उत्पाद बनाने और उनके वितरण (डिस्ट्रिब्यूशन) में लगे हुए हैं।

टाटा सॉल्ट ने देशभर की टेस्टिंग में शुद्धता के साथ कैटेगरी लीडरशिप को किया और मजबूत

वाराणसी। 1983 से भारत में आयोडीन युक्त नमक के क्षेत्र में अग्रणी ब्रांड रहा टाटा सॉल्ट एक बार फिर अपनी शुद्धता और भरोसे पर खरा उतरा है।

बाबा बागेश्वर धाम पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की विशाल हनुमंत कथा 20 अप्रैल से होगा शुभारंभ

हिंदू राष्ट्र का स्वर बनेगा राष्ट्र हनुमंत कथा : डा. उदय प्रताप सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति के द्वारा आगामी आयोजित होने वाले बाबा बागेश्वर धाम पंडित धीरेंद्र शास्त्री की विशाल हनुमंत कथा को लेकर इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया

इस अवसर पत्रकार बंधुओ से चर्चा करते हुए प्रयाग उत्थान समिति के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ उदय प्रताप सिंह ने बताया कि 21 अप्रैल से 22 अप्रैल तक तीन दिवसीय बाबा बागेश्वर धाम पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की विशाल हनुमंत कथा अरैल घाट माघ मेला क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा । जो प्रयागराज वासियों के लिए गौरव का क्षण होगा और यह राष्ट्र हनुमंत कथा हिंदू राष्ट्र का उद्घोष का स्वर बनेगा जो सनातन धर्म के लिए एकत्रीकरण की शक्ति बनेगी । प्रेस वार्ता के दौरान कथा की जानकारी देते हुए डॉक्टर उदय प्रताप सिंह ने आगे कहा कि हनुमंत कथा के पूर्व मंगल कलश यात्रा बड़ी दिव्यता और भव्यता के साथ निकाली जाएगी जिसमें विशेष आकर्षण के रूप में रामानंद सागर कृत रामायण सीरियल के राम सांसद अरुण गोविल, अभिनेत्री सीता दीपिका चिखलिया, और लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले सुप्रसिद्ध अभिनेता सुनील लहरी शामिल रहेंगे। मंगल कलश यात्रा में डीजे बैंड ढोल नगाड़ा भांगड़ा वाद्य यंत्र और मनमोहक झांकियां शामिल रहेंगी इसके अलावा जिले के सम्मानित सांसद विधायक , महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, पाषर्दगण, और जिले के प्रमुख व्यापारिक, सामाजिक, धार्मिक संगठन के पदाधिकारी कार्यकर्ता और हजारों की संख्या में माताएं बहनें और पुरुष शामिल होंगे। और कलश यात्रा मार्ग में जगह-जगह पर भव्य स्वागत किया जाएगा।

मंगल कलश यात्रा का शुभारंभ 20 अप्रैल को सुबह 9:00 बजे जमुना क्रिश्चियन इंटर कॉलेज से शुभारंभ होगा जो गऊघाट पुलिस चौकी, मुट्ठीगंज छोटा चौराहा, मुट्ठीगंज बड़ा चौराहा, राम भवन कोठा पार्चा, जीवन ज्योति हॉस्पिटल मार्ग से होते हुए

श्री पथरचट्टी रामलीला मैदान में संपन्न होगी।

और आगे कहा कि कथा के दौरान कथा स्थल परेड ग्राउंड में विशेष रूप से 21 अप्रैल मंगलवार को कथा स्थल पर बाबा बागेश्वर धाम की पीठ का दरबार लगाया जाएगा और आगे बताया कि कथा के दौरान स्वामी कैलाशानंद महाराज, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, स्वामी बालक नंद गिरी महाराज, सचिव महानिर्वाणी अखाड़ा स्वामी यमुना पुरी महाराज, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती महाराज, स्वामी राजेंद्र दास महाराज, स्वामी संतोषाचार्य सतुवा बाबा महाराज, यज्ञ सम्राट स्वामी पागल बाबा महाराज, लेटे हुए हनुमान बंधवा महंत बलवीर गिरी महाराज, कथावाचक स्वामी देवकी नंदन ठाकुर महाराज, कथावाचक स्वामी इंद्रेश महाराज, स्वामी बालकृष्ण महाराज, कथा वाचक स्वामी अनिरुद्धाचार्य महाराज, कथा वाचक स्वामी पुंडरीक गोस्वामी महाराज, कथारस प्रवाहक डॉ अनिरुद्ध महाराज, कथा वाचक नरोत्तम दास महाराज, कथा वाचिका पंडित गौरंगी गौरी जी, कथा वाचक डॉक्टर श्यामसुंदर पाराशर महाराज, कथावाचक स्वामी राम झगलूर महाराज, स्वामी अभिरामाचार्य महाराज, शामिल होंगे और अपना आशीर्वचन देंगे।

इसके अलावा भोजपुरी गायक सांसद मनोज तिवारी, भोजपुरी कलाकार सांसद रवि किशन, भोजपुरी स्टार पवन सिंह, पूर्व सांसद एवं भोजपुरी कलाकार दिनेश सिंह यादव निरहुआ, पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह, कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया, भाजपा नेता बृजेश सिंह, महाभारत सीरियल में कृष्ण का किरदार निभाने वाले अभिनेता नितीश भारद्वाज, दुर्योधन का किरदार निभाने वाले अभिनेता पुनीत ईस्सर, अर्जुन का किरदार निभाने वाले अभिनेता फिरोज खान, युधिष्ठिर का किरदार निभाने वाले अभिनेता गजेंद्र सिंह, भजन सम्राट कन्हैया मित्तल एवं सुप्रसिद्ध कवियत्री अनामिका जैन अंबर शामिल होंगी। प्रेस वार्ता का संचालन समिति के उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने किया इस दौरान महामंत्री अभिषेक ठाकुर आदि शामिल रहे।

जयंतीपुर गांव में आग लगने से तीन दर्जन पेड़ जलकर खाक

थरवई। थाना क्षेत्र के जयंतीपुर गांव में सोमवार को अचानक आग लगने से पंचायत की जमीन पर लगे तीन दर्जन से अधिक पेड़ पौधे जलकर खाक हो गए। बताया जाता है कि अज्ञात कारणों से लगी आग तेजी से फैलने लगी और देखते ही देखते कई पेड़ों को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज लपटों के चलते स्थिति पर काबू पाना मुश्किल हो गया।आग लगने की सूचना मिलते ही थरवई थाने में कार्यरत दरोगा जंग बहादुर यादव मौके पर पहुंचे। साथ ही फायर ब्रिगेड की टीम भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।समय रहते आग बुझा लेने से आसपास खड़ी किसानों की फसल को नुकसान होने से बचा लिया गया। ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

भगवान महावीर जयंती समारोह का आयोजन, महापौर गणेश केसरवानी ने भगवान महावीर की उतारी आरती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सोमवार को भगवान महावीर का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम के साथ महावीर जयंती के रूप में प्रयागराज जैन समाज द्वारा मनाया गया। इस महोत्सव का आयोजन श्री दिगम्बर जैन पंचायती सभा प्रयाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूरे प्रयागराज नगर तथा आस-पास के क्षेत्रों में निवास करने वाले प्रीतम नगर, बेनीगंज, कटरा, नैनी, जीरोरोड के सभी धर्मानुरागी बन्धु जीरोरोड में आयोजित दिन भर चलने वाले आयोजनों में भाग लेते हैं। सुबह 5 बजे से जीरोरोड जैन मंदिर से प्रभात फेरी के साथ ही कार्यक्रमों का शुभारम्भ होता है। इसके बाद दिगम्बर जैन पंचायती सभा के अध्यक्ष दिनेश कुमार जैन तथा समिति के अन्य पदाधिकारियों और संयोजकमण्डल के कार्यकर्ताओं के साथ श्री राजीव जैन नैनी तथा समाज के गणमान्य लोगों द्वारा जैन धर्मशाला में ध्वजारोहण के साथ आयोजन का विधिवत शुभारम्भ हुआ। जीरोरोड जैन मंदिर से भगवान महावीर के जन्मोत्सव की विशाल शोभायात्रा निकली, जिसमें पर भगवान महावीर को लेकर श्री के.के. अग्रवाल जैन रथ पर चले।

इन सभी सौभाग्यवान श्रेष्ठीजनों ने भगवान महावीर की प्रतिमा को श्री मंदिर जी से नालकी में लेकर रथ पर विराजमान किया, सौधर्म इन्द्र भगवान को लेकर रथ पर स्थित सिंहासन पर विराजमान किया तथा अन्य चार ईशान, महेन्द्र, सानतकुमार एवं ब्रह्म इन्द्र भगवान पर चंवर ढुलाते हुए रथ पर सवार होकर शोभायात्रा में शामिल हुए। इन सभी के साथ रथ पर कुबेर इन्द्र का सौभाग्य श्री अजय कुमार जैन वरिष्ठ एडवोकेट हाईकोर्ट को प्राप्त हुआ। जो रथ पर सवार होकर रास्ते भर रत्न की वर्षा करते हुए रथ यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। इस अवसर प्रयागराज के महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी जी ने भगवान की आरती की और शोभायात्रा में शामिल हुए।

दिनेश कुमार जैन एवं उनकी श्रीमती जी भगवान के माता पिता के वेश में अलग बग्गी में चल रहे थे। रथ यात्रा में काफी संख्या में एक तरह की साड़ियों में महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे तथा धर्मानुरागी लोगों ने भाग लिया। अनेक प्रकार के बैंड, झांकी आदि शामिल थे जिसमें सबसे आकर्षण का केन्द्र रहा जैन विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों का बैंड, जिनकी प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।

जुलूस के पूरे मार्ग में लोगों ने अपने घरों या संस्थान पर जुलूस का स्वागत सत्कार किया तथा रथ पर विराजमान भगवान की आरती कर अपनी भक्ति प्रदर्शित किया।

रथयात्रा के वापस होने पर जैन धर्मशाला में सोने व चांदी के 108 कलशों से महावीर भगवान का अभिषेक किया गया। आज युद्ध के माहौल में विश्व में व्याप्त अशांति एवं डर के माहौल में विश्वशांति तथा मानवजात के साथ जीवमात्र के कल्याण की भावना से बृहत शांतिधारा की गयी तथा बालक रूप भगवान वर्धमान का पालना व बधाई गीत आदि का कार्यक्रम हुआ।

सायंकाल जैन विद्यालय के विद्यार्थियों और महिला मण्डल प्रयागराज द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। जैन मिलन प्रयाग द्वारा सभी के लिए ठंडे पेय पदार्थ की व्यवस्था की गयी। आयोजन में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं के लिए सामूहिक प्रीति भोज का भी समुचित व्यवस्था भी जैन धर्मशाला में की गयी थी और जीरोरोड जैन मंदिर के बाहर पूरे दिन भण्डारा भी चलाया गया।

इस शोभायात्रा में प्रमुख रूप से पंचायती सभा के अध्यक्ष दिनेश कुमार जैन, महामंत्री राजेश जैन, निर्मल जैन, जैन मिलन के क्षेत्रीय कार्याध्यक्ष एवं संरक्षक प्रद्युम्न कुमार जैन, आयोजन के संयोजक विकास जैन, अहिंसा रैली संयोजक राकेश जैन (भा.ज.पा. प्रीतम नगर), अरुण जैन, अखिलेश जैन (टप्पन), एडवोकेट महेंद्र जैन, अर्पण जैन, अमित जैन (बेगिगंज), मनीष जैन (कटरा), आलोक जैन रपरिया, आदित्य जैन, अंकित जैन, आत्मन जैन, यश जैन, राजीव जैन मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

41 से ज्यादा मामलों का खुलासा

बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़,चोरी के 58 दो पहिया वाहन बरामद

भिवंडी क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, 3 आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाते हुए क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई कर एक शातिर बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 10.60 लाख रुपये कीमत के 58 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। जांच के दौरान आरोपियों ने भिवंडी, ठाणे और आसपास के कई पुलिस थानों में दर्ज 41 से अधिक चोरी के मामलों का खुलासा किया है। इनमें नारपोली, भिवंडी शहर, शांतिनगर, निजामपुरा, बाजारपेठ, वर्तकनगर, नौपाड़ा और भिवंडी तालुका पुलिस स्टेशनों में दर्ज केस शामिल हैं। अधिकतर मामलों में भा.न्या.सं. की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच यूनिट-2, भिवंडी की टीम को गुप्त सूचना के आधार पर यह सफलता मिली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गणेश उर्फ गणु राजु मोरे (21),साहेब अली उर्फ छोटू सुलतानपुरी शेख (19) और सुनील उर्फ बाला शंकर राठोर (20) के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी शहर और आसपास के इलाकों से मोटरसाइकिल और स्कूटर चोरी कर उन्हें बेचने का काम करते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से बरामद किए गए वाहन विभिन्न थानों में दर्ज मामलों से संबंधित हैं। इस कार्रवाई से लंबे समय से सक्रिय वाहन चोरी गिरोह पर बड़ा झटका लगा है। यह पूरी कार्रवाई अपर पुलिस आयुक्त (अपराध) डॉ. पंजाबराव उगले, पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमरसिंह जाधव और सहायक पुलिस आयुक्त शेखर बागड़े के मार्गदर्शन में की गई। ऑपरेशन को सफल बनाने में क्राइम ब्रांच यूनिट-2, भिवंडी के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शीतल राऊत समेत उनकी टीम की अहम भूमिका रही। फिलहाल पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

पहले ही विशेष महासभा में देर से पहुंचे महापौर,सभागृह में नगरसेवकों ने किया हंगामा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी मनपा प्रशासन द्वारा आयोजित पहले ही महासभा में महापौर नारायण चौधरी देर से पहुंचे।जिसको लेकर महासभा देर से शुरू हुई।वही शिवसेना के नगरसेवकों ने महापौर के लेटलतीफी का विरोध करते हुए सभागृह में हंगामा किया और आयुक्त से महासभा समय से शुरू करने की मांग की जो शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मालूम हो कि भिवंडी मनपा प्रशासन द्वारा प्रस्तुत किए गए 1179 करोड़ 10 लाख 97 हजार रुपए की बजट पर चर्चा करने के लिए सोमवार को मनपा द्वारा पहला विशेष महासभा बुलाई गई थी।यह महासभा सुबह 11 बजे बुलाई गई थी।सभी नवनियुक्त नगरसेवक सभागृह में समय पर उपस्थित हुए, लेकिन महापौर नारायण चौधरी खुद निर्धारित समय से एक घंटा देर से पहुंचे।जिसके कारण महासभा की कार्रवाई देर से शुरू हुई।इसके पहले शिवसेना के नगरसेवक कमलाकर पाटिल ने महापौर के लेटलटिफी का विरोध करते हुए जमकर हंगामा किया और महापौर की अनुपस्थिति में ही महासभा शुरू करने की मांग कर डाली।इतना ही नहीं महासभा में एक नवनियुक्त नगरसेवक ने कहा कि नगरसेवकों का मानधन मात्र 10 हजार रुपए है, जो एक मजदूर के वेतन से कम है इसलिए नगरसेवक ने मानधन को बढ़ाने की मांग प्रशासन से की।जिसे लेकर आयुक्त ने नगरसेवक की खिल्ली उड़ाते हुए कहा कि मानधन बढ़ाना व घटना उनके हाथ में नहीं है उन्होंने कहा कि नगरसेवक अपना मानधन प्रशासन से बढ़ावकर लाए जिसका भुगतान करने की जिम्मेदारी मनपा प्रशासन की है।इतना ही नहीं महासभा में रोमा निलेश आलसी ने शिवाजी चौक इलाके में निर्माणाधीन 17 महले की अवैध बिल्डिंग का मुद्दा भी महासभा में उठाया और कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा महासभा में पूर्व महापौर जावेद दलवी ने पानी और नगरसेवक संतोष शेट्टी ने पोगांव में अवैध प्लाटिंग पर बनाए जा रहे अवैध निर्माण का मुद्दा भी उठाया,जिसके बाद मनपा प्रशासन ने दो दिन में अवैध निर्माण को ध्वस्त करने का आश्वासन दिया। हालांकि महासभा में बजट को लेकर नगरसेवकों ने जमकर बहस किया और समाचार लिखने तक महासभा शुरू रही।

घर में जबरन घुसकर मारपीट और धमकी, दो के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।शहर के निजामपुरा इलाके में जबरन घर में घुसकर मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। इस घटना में पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, यह मामला निजामपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता अब्दुल आहद वाहीद तातली (30) ने आरोप लगाया है कि फरहान करनाले और मोहम्मद अली सईद करनाले ने उनके घर में जबरन घुसकर विवाद किया और मारपीट की। घटना 27 मार्च की दोपहर करीब 3:20 बजे की बताई जा रही है। आरोप है कि दोनों आरोपी पहले भी शिकायतकर्ता के घर के पीछे बने तबेले के गेट का ताला तोड़ने की कोशिश कर चुके थे। उस समय शिकायतकर्ता के पिता ने उन्हें रोकते हुए कहा था कि यदि कोई बात है तो बैठकर सुलझाई जाए। इसके बावजूद 28 मार्च को आरोपी दोबारा पहुंचे और बिना अनुमति गेट का ताला तोड़कर जबरन अंदर घुस गए। आरोप है कि उन्होंने निर्माण कार्य के लिए सीमेंट ब्लॉक और अन्य सामग्री भी वहां रख दी। विरोध करने पर आरोपियों ने शिकायतकर्ता और उनके पिता के साथ धक्का-मुक्की की और हाथापाई कर दी।इतना ही नहीं, आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। इस घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस सुत्रों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही उन्हें हिरासत में लिया जाएगा। इस घटना की? जांच पुलिस उप निरीक्षक बडगोरे कर रहे हैं।

मायावती ने लखनऊ में बुलाई बड़ी बैठक, चुनाव को लेकर पदाधिकारियों को दे सकती है बड़े निर्देश

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में होने वाले विधान सभा चुनाव 2027 की तैयारी में सभी पार्टियां जुट गई है। इसी कड़ी में सत्ता का वनवास झेल रही बसपा सुप्रीमो मायावती भी जमीनी स्तर पार्टी को मजबूत करने की कोशिस में जुटी है। बसपा सुप्रीमो ने 31 मार्च को राजधानी लखनऊ में एक अहम बैठक बुलाई है इस बैठक में 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती का कार्यकर्म और पार्टी में अपने भतीजे आकाश आनंद की भूमिका को लेकर बड़ा निर्णय ले सकती है।

बसपा सूत्रों के मुताबिक आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए आकाश आनंद को जिलेवार अभियान की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। पार्टी पत्र जारी कर बताया लखनऊ स्थित 12 मॉल एवेन्यू कार्यालय में होगी बैठक। सुबह 11 बजे से शुरू होगा अहम कार्यक्रम बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती करेंगी बैठक की अध्यक्षता।

भिवंडी में दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग

बाइक सवार बदमाश 3.50 लाख के सोने की चैन लेकर फरार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में एक बार फिर चेन स्नैचिंग की वारदात ने लोगों में दहशत फैला दी है। अंजुरफाटा इलाके में दिनदहाड़े बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। नारपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, पीड़िता निशा जोजो पारेकाटिल (43) अपने पति के साथ 29 मार्च की दोपहर करीब 4:05 बजे ओसवाल क्लिनिक के सामने, ओसवाल स्कूल के पास पैदल जा रही थीं। इसी दौरान पीछे से काले रंग की मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक उनके पास पहुंचे। बाइक चला रहे युवक ने मोटरसाइकिल धीमी की, जबकि पीछे बैठे दूसरे युवक ने अचानक महिला के गले पर झपट्टा मारते हुए उनकी सोने की चेन खींच ली। वारदात इतनी तेजी से हुई कि महिला को संभलने का मौका भी नहीं मिला। बताया जा रहा है कि लूटी गई चेन और पेंडेंट की कीमत करीब 3.50 लाख रुपये है। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। शिकायत में आरोपियों का हुलिया भी बताया गया है। दोनों की उम्र करीब 22 से 24 वर्ष के बीच बताई जा रही है। एक युवक मोटरसाइकिल चला रहा था, जबकि दूसरा पीछे बैठा था जिसने चेन छीनी। दोनों ने चेहरे पर रूमाल बांध रखा था। नारपोली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 309(4), 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। लगातार बढ़ रही इस तरह की घटनाओं से क्षेत्र के नागरिकों में भय का माहौल है और पुलिस से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की जा रही है।

दो अलग-अलग मामलों में युवतियों के अपहरण की शिकायत, पुलिस जांच में जुटी

भिवंडी। शहर में युवतियों के अचानक लापता होने और अपहरण की आशंका से जुड़ी दो अलग-अलग घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है। शांतिनगर और कोनगांव पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पहला मामला शांतिनगर क्षेत्र का है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी 14 वर्षीय बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, 28 मार्च की सुबह करीब 10 बजे गोविंदनगर इलाके से मोहिनी स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन उसके बाद वह वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसे बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया है।

दूसरी घटना कोनगांव क्षेत्र की है। जहां एक और व्यक्ति ने अपनी 15 वर्षीय बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, 28 मार्च की शाम करीब 5 बजे घर से 'दुकान से मसाला लेने' की बात कहकर निकली थी, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। दोनों मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संभावित ठिकानों पर जांच कर रही है और जल्द ही युवतियों का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, इन घटनाओं के बाद शहर में अभिभावकों के बीच चिंता का माहौल बना हुआ है।

आर्शीवाद भवन में सामूहिक उपनयन संस्कार आज सम्पन्न हुआ-राजीव अवस्थी

रायपुर। कान्यकुब्ज सभा शिक्षा मंडल के द्वारा 29 मार्च (रविवार) को बैरन बाजार स्थित आर्शीवाद भवन मै सर्व ब्राह्मण समाज के बटुको के लिए आयोजित सामूहिक उपनयन संस्कार किया जा रहा है समाज के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा व सचिव राजकुमार दीक्षित ने बताया कि यह संस्कार आचार्य के मार्गदर्शन एवं पूर्ण वैदिक विधि विधान के साथ संपन्न कराया जाएगा उपनयन संस्कार में छत्तीसगढ़ के कई जिलों से उपनयन संस्कार करने के लिए लोग आए हुए थे समाज के द्वारा सभी लोगों के रुकने और खाने की व्यवस्था आर्शीवाद भवन में किया गया इस आयोजन को सफल बनाने के लिए शशिकांत मिश्रा को संयोजक नियुक्त किया गया था बैठक में संरक्षक गिरजा शंकर दीक्षित, संजय अवस्थी उपाध्यक्ष, शीतल मिश्रा, अर्चना मिश्रा, नीता अवस्थी ,प्रमोद कुमार, अनुराग पांडे,, संगम तिवारी, आदि लोग उपस्थित थे

इस आयोजन के लिए अखिल भारतीय

पंचायत परिषद के प्रदेश संयोजक एवं आर्शीवाद भवन कान्यकुब्ज समाज के अ जीवन सदस्य राजीव अवस्थी ने अध्यक्ष सुरेश मिश्रा एवं समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी

एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार हुआ एसडीएम का ड्राइवर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बागपत जिले में खेकड़ा तहसील में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मेरठ क्राइम ब्रांच की टीम ने उप जिलाधिकारी (एसडीएम) के ड्राइवर को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में खेकड़ा कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। सोमवार दोपहर हुई इस कार्रवाई के दौरान टीम ने आरोपी के पास से रिश्वत की पूरी रकम भी बरामद कर ली, जिससे प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मच गया।

सूत्रों के अनुसार आरोपी ड्राइवर निशु खेकड़ा एसडीएम की सरकारी गाड़ी पर निजी चालक के रूप में कार्यरत था। जबकि आधिकारिक रूप से चालक के रूप में नरेंद्र शर्मा की ड्यूटी लगी हुई थी। तहसील में लंबे समय से भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की शिकायतें मिल रही थीं। बताया जा रहा है कि यह मामला गौरक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अक्की लंबरदार (निवासी ग्राम भागोट) से एक लाख रुपये की रिश्वत लेने से जुड़ा है। आरोप है कि कुरेर्बंदी के एक मुकदमे में पक्ष में फैसला कराने के नाम पर यह रकम मांगी गई थी। शिकायतकर्ता अक्षय कुमार के अनुसार, एसडीएम के कहने पर ही ड्राइवर निशु ने रिश्वत की मांग की थी। पहले दो लाख रुपये की मांग की गई, बाद में एक लाख रुपये पर सहमति बनी।

शिकायत मिलने पर एंटी करप्शन टीम ने जाल बिछाया और केमिकल पाउडर लगे नोट शिकायतकर्ता को दिए। जैसे ही आरोपी ने रकम ली, टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। जांच में नोटों पर लगा पाउडर मिलने से रिश्वत लेने की पुष्टि हुई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को खेकड़ा थाने ले जाया गया, जहां उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और इसमें अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच होगी। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से युवती की मौत, चालक फरार

भिवंडी। मुंबई-नाशिक हाईवे पर मानकोली ब्रिज के पास तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से एक 26 वर्षीय युवती की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। इस मामले में नारपोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात ट्रेलर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता प्रमेश राजेंद्र शिंदे (26) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना 29 मार्च को सुबह करीब 9:15 बजे मुंबई-नाशिक मार्ग पर मानकोली ब्रिज के आगे होर्डिंग के पास हुई। मृतक युवती की पहचान चारूशिला उर्फ श्रद्धा गणेश शिंदे (26) के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, युवती अपने मित्र के साथ स्कूटी से जा रही थी। उसी दौरान पीछे से तेज गति और लापरवाही से आ रहे अज्ञात ट्रेलर ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों नीचे गिर पड़े। इसी बीच ट्रेलर का पिछला पहिया श्रद्धा के दाहिने पैर पर चढ़ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक ने घायल को अस्पताल पहुंचाने या पुलिस को सूचना देने के बजाय वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक संतोष शिंदे कर रहे हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर फरार ट्रेलर और चालक की तलाश में जुटी है।

लखनऊ में सीएम योगी ने 'जनता दर्शन' में सुनीं फरियादें, मंदिर पर कब्जे का मामला आया तो एसपी को दिए निस्तारण के सख्त निर्देश

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके प्रार्थना पत्र अधिकारियों को सौंपकर निर्देश दिया कि शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर पीड़ित की समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

बयान के मुताबिक, उन्नाव के बांगरमऊ से आईं ममता तिवारी ने कुछ लोगों पर मंदिर पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र सौंपा। महिला ने आरोप लगाया कि कब्जा करने वाले लोग उन्हें मंदिर में पूजा करने भी नहीं दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित पुलिस अधीक्षक को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। बदायूं से आए एक किसान ने शिकायत में आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने उनकी फसल नष्ट कर दी, लेकिन पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी किसान को परेशानी नहीं होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ तत्काल विधिसम्मत कार्रवाई की जाए।

बलरामपुर के एक फरियादी ने गांव की जर्जर सड़क की समस्या उठाई और आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान कई वर्षों से इसका निर्माण नहीं होने दे रहे हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिया कि मौके पर जाकर स्थिति का आकलन करें और सड़क निर्माण सुनिश्चित करें। 'जनता दर्शन' में फर्रुखाबाद निवासी एक खिलाड़ी ने भी अपनी समस्या रखी। उसने बताया कि वह निशानेबाज हैं और विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं तथा खिलाड़ी ने शस्त्र लाइसेंस दिलाने का अनुरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि खिलाड़ी के आवेदन का संज्ञान लेकर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

बयान के अनुसार, 'जनता दर्शन' में जमीन और पारिवारिक विवाद से जुड़े मामले भी आए। मुख्यमंत्री ने सभी प्रकरणों पर यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए। लखनऊ से आए एक फरियादी ने अवैध कॉलोनी से संबंधित मुद्दा उठाया, जिस पर मुख्यमंत्री ने आवास आयुक्त को नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। कुछ अन्य फरियादियों ने सरकारी जमीन पर कब्जे और पुलिस कार्रवाई से असंतोष की शिकायत की। मुख्यमंत्री ने सभी मामलों में प्रभावी कार्रवाई करते हुए पीड़ितों की संतुष्टि सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

आईपीएल 2026 : 'रिजल्ट के बारे में ज्यादा मत सोचो' कप्तान रहाणे का वरुण चक्रवर्ती को खास संदेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को आउट किया का बचाव किया है, जो इन दिनों खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में भी वरुण को विकेट नहीं मिला और वह महंगे साबित हुए। मैच के बाद रहाणे ने कहा कि हर खिलाड़ी के करियर में ऐसा दौर आता है और वरुण को ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है।

रहाणे ने पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हर खिलाड़ी इस दौर से गुजरता है। वह कड़ी मेहनत कर रहा है और उसका रवैया भी सही है। शायद विपक्षी बल्लेबाज उसे अच्छी तरह खेल रहे हैं। लगातार बड़े टूर्नामेंट खेलने से मानसिक रूप से चुनौती भी होती है।' उन्होंने आगे कहा, 'उसे ज्यादा रिजल्ट के बारे में नहीं सोचना चाहिए। अगर वह रिलैक्स रहे और दिमाग शांत रखे तो वह जरूर वापसी करेगा। उसकी मेहनत और एटीट्यूड में कोई कमी नहीं है, यह सब दिमाग का खेल है।'

वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों ने वरुण चक्रवर्ती के खिलाफ जमकर रन बनाए। रोहित शर्मा ने अपने ओवरों में चौका और छक्का लगाया। इसके बाद सूर्यकुमार यादव और रयान रिकेल्टन ने भी उनके खिलाफ बाउंड्री लगाई। वरुण ने अपने 4 ओवर में 48 रन दिए और उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

केकेआर का अगला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। वरुण का हैदराबाद के खिलाफ रिकॉर्ड ठीक रहा है। उन्होंने इस टीम के खिलाफ 13 मैचों में 13 विकेट लिए हैं। ऐसे में अगले मैच में उनके पास फॉर्म में वापसी करने का अच्छा मौका होगा।

रहाणे ने यह भी कहा कि लगातार बड़े टूर्नामेंट खेलने से खिलाड़ियों पर मानसिक दबाव पड़ता है। टी20 वर्ल्ड कप के बाद सीधे आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट में खेलना आसान नहीं होता। ऐसे में खिलाड़ी को मानसिक रूप से तरोताजा रहना बेहद जरूरी होता है। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम को इस सीजन वरुण चक्रवर्ती से काफी उम्मीदें हैं। टीम मैनेजमेंट और कप्तान दोनों को भरोसा है कि वरुण जल्द ही अपनी लय हासिल करेंगे। अगर वह फॉर्म में लौटते हैं तो केकेआर की गेंदबाजी और मजबूत हो जाएगी।

आईपीएल 2026 : डेल स्टेन ने कार्तिक त्यागी को दी अहम सलाह, अपनी गेंदबाजी एक्शन खुद बनाओ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कोलकाता नाइट राइडर्स के युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी की गेंदबाजी एक्शन को लेकर बड़ा बयान दिया है। स्टेन का मानना है कि त्यागी बार-बार अपना एक्शन बदल रहे हैं और दूसरे गेंदबाजों को कॉपी करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कॉपी करने के कुछ फायदे होते हैं, लेकिन हर गेंदबाज को आखिरकार अपना खुद का एक्शन बनाना पड़ता है।

आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में त्यागी ने केकेआर के लिए डेब्यू किया। इस मैच में उन्होंने भारत के टी - 20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का महत्वपूर्ण विकेट लिया। हालांकि यह हाई स्कोरिंग मैच था और त्यागी ने 43 रन खर्च किए। इसके अलावा उन्होंने एक मौका भी बनाया था, लेकिन रयान रिकेल्टन का कैच ड्रॉप हो गया।

डेल स्टेन ने यह भी कहा कि त्यागी में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन उन्हें धैर्य रखने की जरूरत है। स्टेन के अनुसार, विकेट लेने की एक प्रक्रिया होती है और खिलाड़ी को उसी पर ध्यान देना चाहिए, न कि हर गेंद पर विकेट लेने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि त्यागी को खुद पर भरोसा रखना होगा और जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।

कार्तिक त्यागी ने आईपीएल 2020 में राजस्थान के लिए खेलते हुए 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे और तभी उन्हें पहचान मिली थी। 2021 में उन्होंने पंजाब के खिलाफ आखिरी ओवर में 4 रन बचाकर मैच जिताया था। लेकिन इसके बाद चोट और टीम बदलाव की वजह से उनका करियर ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाया। हैदराबाद, गुजरात और अब केकेआर में भी उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले हैं।

केकेआर का अगला मैच 2 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज चोटिल हैं, ऐसे में कार्तिक त्यागी को खुद को साबित करने का अच्छा मौका मिल सकता है। यह मैच उनके करियर के लिए अहम साबित हो सकता है।

एंटीलिया को टक्कर देता है विजयपत सिंघानिया का घर, छत पर हेलिपैड और अंदर निजी म्यूजियम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय कॉर्पोरेट जगत के एक स्वर्णिम अध्याय का अंत हो गया है। 'रेमंड' को दुनिया का सबसे बड़ा फैब्रिक ब्रांड बनाने वाले पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का बीते दिन निधन हो गया था। एक समय 12, 000 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक रहे सिंघानिया की कहानी जितनी कामयाबी के शिखर पर रही उसका अंत उतना ही भावुक कर देने वाला था। आइए जानतें हैं कि वे दुनिया के दूसरे सबसे बड़े किस घर में रहते थे और उस घर की कीमत कितनी है?

1980 के दशक में जब विजयपत सिंघानिया ने कमान संभाली तब रेमंड महज एक साधारण कपड़ा मिल थी। उनकी दूरदर्शी सोच ने इसे एक ग्लोबल ब्रांड बना दिया। उन्होंने पारंपरिक बिजनेस को आधुनिक रिटेल और हाई-प्रिसिजन इंजीनियरिंग से जोड़ा। आज दुनिया भर के वार्डरोब में रेमंड का जो सूटिंग फैब्रिक पहुंचता है उसकी नींव विजयपत सिंघानिया ने ही रखी थी।

विजयपत सिंघानिया की रईसी का सबसे बड़ा गवाह मुंबई के ब्रीच कैंडी इलाके में स्थित उनका घर 'जेके हाउस' है। लगभग 6, 000 करोड़ रुपये की कीमत वाला यह घर देश की दूसरी सबसे महंगी प्राइवेट प्रॉपर्टी है। रिपोर्ट्स के अनुसार 30 मंजिला यह इमारत ऊंचाई के मामले में मुकेश अंबानी के 'एंटीलिया' को भी पीछे छोड़ती है। 16, 000 वर्ग फुट में फैले इस महल में एक निजी हेलीपैड, हाई-टेक स्पा, दो स्विमिंग पूल और एक विशाल प्राइवेट लाइब्रेरी है, जहाँ सिंघानिया परिवार के दशकों पुराने इतिहास को सहेजा गया है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर बढ़ाएगी कारों के दाम, 1 अप्रैल से लागू होंगी नई कीमतें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया कच्चे माल की बढ़ती लागत के असर को आंशिक रूप से कम करने के लिए एक अप्रैल, 2026 से अपने कुछ मॉडल की कीमतों में दो प्रतिशत तक की वृद्धि करेगी। कंपनी सोमवार को बयान में कहा कि यह कीमत वृद्धि उसके मुख्य खंड के मॉडल पर लागू होगी और एमजी सिलेक्ट चैनल के माध्यम से बेचे जाने वाले प्रीमियम इलेक्ट्रिक वाहनों एमजी एम9 और साइबरस्टर पर लागू नहीं होगी।

बयान के अनुसार, ''यह मूल्य संशोधन लगातार बढ़ रही कच्चे माल की लागत के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।'' कंपनी वर्तमान में अपने एमजी खंड के तहत पारंपरिक इंजन (आईसीई) और इलेक्ट्रिक वाहनों की एक श्रृंखला बेचती है।

पीएसएल 2026 : बॉल टैंपरिंग विवाद पर सिकंदर रजा ने तोड़ी चुप्पी

कहा- सबूत दिखाओ तभी मानेंगे आरोप

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सिकंदर रजा ने पीएसएल 2026 में हुए बॉल टैंपरिंग विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ कहा कि वह इस विवाद में शामिल नहीं हैं। रजा ने कहा कि वह उस समय लॉन्ग-ऑन पर फील्डिंग कर रहे थे। उन्होंने गेंद की स्थिति बदलने की कोई कोशिश नहीं की।

लाहौर और कराची के मैच में अचानक अंपायरों ने लाहौर कलंदर्स पर 5 रन की पेनल्टी लगा दी। टीम को पहले 14 रन बचाने थे, लेकिन पेनल्टी के बाद 9 रन बचाने थे। इस फैसले से मैच का पूरा रुख बदल गया। खिलाड़ियों को भी पेनल्टी की सही वजह नहीं बताई गई थी।

सिकंदर रजा ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी पर इतना बड़ा आरोप लगाने से पहले सबूत होना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ अपने बारे में ही बात कर सकता हूं। मेरी तरफ से गेंद की स्थिति बदलने की कोई कोशिश नहीं की गई और न ही मैंने ऐसा करने की कोशिश की।'

'जहां तक मुझे याद है, मैं लॉन्ग-ऑन पर फील्डिंग कर रहा था, जहां थोड़ी ओस थी। हमें कहा गया था कि गेंद को शर्ट से रगड़कर सुखाने की कोशिश न करें, इसलिए मैंने अपनी स्लीव्स का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। जब तक हमें यह नहीं दिखाया जाता कि किस खिलाड़ी पर आरोप है और क्या सबूत हैं, तब तक किसी नतीजे पर पहुंचना सही नहीं होगा। यह बहुत बड़ा फैसला है।'

'मैं अभी ड्रेसिंग रूम से आया हूं और मैं आपको भरोसा दिला सकता हूं कि मुझे जांच के लिए बुलाया गया है, इसलिए मुझे लगता है कि मैं सुरक्षित हूं।'

इस पूरे मामले में मुख्य आरोप फखर जमान पर लगे हैं। मैच के आखिरी ओवर से पहले वह गेंद को हाथ में लेकर कुछ करते नजर आए थे। इसके बाद अंपायरों ने गेंद चेक की और पेनल्टी दे दी। मैच रेफरी इस मामले की जांच कर रहे हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार, निवेशकों के डूबे लाखों करोड़ों, 5 बड़े कारणों से टूटा बाजार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के बीच सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स 1, 700 अंकों से ज्यादा टूट गया, जबकि निफ्टी 50 22, 500 के अहम स्तर से नीचे फिसल गया।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1635.67 अंक (2.22इ) गिरकर 71, 947.55 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 488.20 अंक (2.14इ) टूटकर 22, 331.40 पर आ गया। इस गिरावट से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप करीब 8 लाख करोड़ रुपए घट गया यानि निवेशकों को 8 लाख करोड़ का नुकसान हुआ।

सेंसेक्स के सभी 30 शेयर लाल निशान में कारोबार करते दिखे। एक्सिस बैंक और 'इटरनल' के शेयरों में 3इ से ज्यादा की गिरावट आई। इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 2इ से ज्यादा टूट गए। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप 1.95इ और स्मॉलकैप 2.31इ गिरा, जबकि निफ्टी बैंक और निफ्टी पीएसयू बैंक में सबसे ज्यादा दबाव देखने को मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में सोमवार को रुपया पहली बार 95 प्रति डॉलर के स्तर के पार पहुंच गया। यह अब तक का सबसे निचला स्तर है, जिससे बाजार में चिंता बढ़ गई है।

आईपीएल 2026 : 'विकेट लेने की काबिलियत की कमी थी', इरफान पठान ने स्टार प्लेयर पर साधा निशान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरुआत शनिवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच मैच से हो गई है। पिछले साल आरसीबी ने आखिरकार अपना पहला आईपीएल खिताब जीतकर ट्रॉफी का सूखा खत्म किया। इसके बाद अब सिर्फ तीन टीमें ऐसी बची हैं जिन्होंने अभी तक आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। ये टीमें लखनऊ सुपर जायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स हैं। जहां एलएसजी 2022 में इस टूर्नामेंट से जुड़ी, वहीं दिल्ली और पंजाब की टीमें 2008 में टूर्नामेंट की शुरुआत से ही इसका हिस्सा रही हैं। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने बताया है कि हाल के दिनों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता टीम की निरंतरता रही है। पठान ने यह भी बताया कि डीसी के कप्तान अक्षर पटेल, जिन्हें फ्रेंचाइजी से 16.5 करोड़ रुपए की सैलरी मिलती है, के लिए गेंदबाजी के लिहाज से पिछला सीजन औसत दर्जे का रहा क्योंकि इस लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स गेंदबाज में विकेट लेने की काबिलियत की कमी दिखी। पिछले सीजन के 12 मैचों में अक्षर ने सिर्फ 5 विकेट लिए और 263 रन बनाए।

पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा, 'पिछले साल अक्षर पटेल की गेंदबाजी में विकेट लेने की काबिलियत की कमी थी। उनका आत्मविश्वास यकीनन बढ़ा होगा, लेकिन अगर वह अपनी तरफ से नियमित रूप से विकेट लेते हैं, तो उनके पास कुलदीप यादव जैसा विकेट लेने वाला गेंदबाज है और विपराज निगम को भी काफी मदद मिलेगी।' उन्होंने आगे कहा, 'आपको अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसी स्पिन-गेंदबाजी की जोड़ी कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। आपको इसमें विपराज निगम का नाम भी जोड़ना होगा। विपराज के साथ उनके पास दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार दो वर्ल्ड कप जीते हैं। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों वाला ऐसा अनुभव आपको हर जगह नहीं मिलता।'

डीसी ने पिछले सीजन की शुरुआत शानदार तरीके से की थी, लगातार चार मैच जीते थे। उन्होंने एलएसजी, एसआरएच, चेन्नई सुपर किंग्स और एसआरएच को हराया, लेकिन उसके बाद मुंबई इंडियंस से हार गए और अपनी लय खो दी। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली यह टीम अपने पिछले 10 मैचों में से सिर्फ तीन ही जीत पाई और पॉइंट्स टेबल में 5 स्थान पर रही।

रुपया धड़ाम! डॉलर के मुकाबले पहली बार 95 के पार, रिकॉर्ड गिरावट से बाजार में हड़कंप

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सोमवार के कारोबारी सत्र में भारतीय करेंसी रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पहली बार 95 के स्तर को पार कर गया, जिससे बाजार में चिंता बढ़ गई है। यह अब तक का सबसे निचला स्तर माना जा रहा है, जो वैश्विक आर्थिक दबाव और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने रुपए पर भारी दबाव डाला है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, ऐसे में तेल महंगा होने से डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसके अलावा, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता ने भी रुपए की गिरावट को तेज किया है। मजबूत डॉलर इंडेक्स भी उभरती अ थव्यवस्थाओं की मुद्राओं पर दबाव बना रहा है। हालांकि रुपए ने बढ़त के साथ शुरूआत की लेकिन बाद में इसने शुरुआती लाभ गंवा दिया।

पोल्का डॉट ड्रेस में दिखीं नूपुर सैनन, क्या घर आने वाला है नन्हा मेहमान?

मुंबई। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री नूपुर सैनन को उनके पति और मशहूर गायक स्टेबिन बेन के साथ एक खुशनुमा अंदाज में देखा गया। यह कपल मोहित और अक्षा कंबोज की बेटी, मिशका कंबोज के जन्मदिन के जश्न में शामिल होने पहुंचा था। इस पार्टी में नूपुर की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा, लेकिन उससे भी ज्यादा चर्चा उनकी पोल्का डॉट ड्रेस की हो रही है।

नूपुर इस लुक में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, पर सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इसे एक खास संकेत के रूप में देखना शुरू कर दिया है। दरअसल, इंटरनेट यूजर्स का मानना है कि बॉलीवुड में पोल्का डॉट ड्रेस और प्रेग्नेंसी का एक अनोखा कनेक्शन रहा है। अनुष्का शर्मा से लेकर नताशा स्टेनकोविक तक, कई अभिनेत्रियों ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर साझा करने से पहले पोल्का डॉट ड्रेस में तस्वीरें पोस्ट की थीं। इसी 'ट्रेंड' को देखते हुए अब फैंस नूपुर से भी सवाल पूछ रहे हैं कि क्या वह जल्द ही कोई खुशखबरी सुनाने वाली हैं? बता दें कि नूपुर और स्टेबिन ने इसी साल 10 जनवरी 2026 को उदयपुर में धूमधाम से शादी की थी। हालांकि, इन अटकलों पर अभी तक नूपुर या स्टेबिन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल

माइल्ड स्टील वैगनों का बॉडी एवं दरवाजे की मरम्मत का कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरिज और वैगन मरम्मत कार्यशाला, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, नीचे दिए गए विवरण के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **1. ई-निविदा सूचना: M137_MECH_PRTN_TEND_26_07 2. कार्य का नाम:** केरेज एवं वेगन मरम्मत कारखाना, प्रतापनगर में माइल्ड स्टील वैगनों का बॉडी एवं दरवाजे की मरम्मत का कार्य। **3. कार्य की अनुमानित कीमत:** ₹ 3,33,22,695/- (रुपये तीन करोड़ तैतीस लाख बाईस हज़ार छह सौ पंचानबे केवल) **4. बयाना राशि:** ₹ 6,66,500/- (रुपये छह लाख छियासठ हजार पांच सौ केवल) **5. निविदा दस्तावेज़ शुल्क:** शून्य **6. कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 24 माह **7. प्रस्ताव की वैद्यता:** 60 दिन **8. निविदा जमा करने व खोलने की तिथि व समय:** बीडींग दि. 27-04-2026 को 15:00 बजे बंद होगी व उसी दिन 15:30 बजे खोली जाएगी.

BRC 413

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल

मरम्मत का कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए, मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरिज और वैगन मरम्मत कार्यशाला, पश्चिम रेलवे, प्रताप नगर, नीचे दिए गए विवरण के अनुसार ई-टेंडर आमंत्रित करते हैं: **1. ई-निविदा सूचना : M137_MECH_PRTN_TEND_26_06 2. कार्य का नाम:** केरेज एवं वेगन मरम्मत कारखाना, प्रतापनगर में स्टेनलेस स्टील वैगनों का बॉडी एवं दरवाजे की मरम्मत का कार्य। **3. कार्य की अनुमानित कीमत:** ₹ 3,70,59,334/- (रुपये तीन करोड़ सत्तर लाख उन्सठ हज़ार तीन सो चौतीस केवल) **4. बयाना राशि:** ₹ 7,41,200/- (रुपये सात लाख इकतालीस हजार दो सो केवल) **5. निविदा दस्तावेज़ शुल्क:** शून्य **6. कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 24 माह **7. प्रस्ताव की वैद्यता :** 60 दिन **8. निविदा जमा करने व खोलने की तिथि व समय:** बीडींग दि. 24-04-2026 को 15:00 बजे बंद होगी व उसी दिन 15:30 बजे खोली जाएगी.

BRC 410

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

संख्या एसीडी/1249/ए.ई(एसडब्ल्यूएम)/डी/दिनांक 27/03/2026

ईओआई

सहायक आयुक्त 'डी' वार्ड, जोबनपुत्रा कंपाउंड, नाना चौक, मुंबई-400007 स्थित कार्यालय द्वारा 'डी-वार्ड के विभिन्न स्थानों पर समुद्र तट की सफाई हेतु एनजीओ श्रमिक उपलब्ध कराने' के लिए सीलबंद ईओआई आमंत्रित किए जाते हैं।

रिक्त ईओआई प्रपत्र सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम) डी वार्ड के पास किसी भी कार्य दिवस में 31/03/2026 से 07/04/2026 तक प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे के बीच रू.4284/- (रू.3630/- + 18% जीएसटी) के भुगतान पर उपलब्ध रहेंगे।

मोम सीलबंद ईओआई नियत तिथि अर्थात 07/04/2026 को दोपहर 1.00 बजे तक सहायक आयुक्त डी-वार्ड के कार्यालय में प्राप्त हो जाने चाहिए तथा उसी दिन 3.00 बजे खोले जाएंगे।

डी-वार्ड में सफाई कार्य का अनुभव रखने वाले एनजीओ को प्राथमिकता दी जाएगी।

ईओआई दस्तावेज डाक द्वारा नहीं भेजे जाएंगे।

पीआरओ/3429/विज्ञा./2025-26 — सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम) डी-वार्ड

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या DRM-BRC 211 से 213 वर्ष 2025-26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डिविजनल रेलवे मैनेजर (WA/C), वेस्टर्न रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 द्वारा नीचे दिए गए कामों के लिए सीलबंद ई-निविदा मंगाए गए हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में)	जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रुपये में)
1	DRM BRC 211 of 2025-26	वडोदरा मंडल:- सीनियर सेक्शन इंजीनियर (वर्क्स), गोधरा के अधिकार क्षेत्र में आने वाली रेलवे कॉलोनी, रेलवे स्टेशन और अन्य स्थानों पर 24 महीनों के लिए क्लोरीनीकरण द्वारा पीने के पानी की आपूर्ति का कीटाणु नाशक प्रक्रिया।	15,86,580.29	31,700.00
2	DRM BRC 212 of 2025-26	SSE (W) DB के अधिकार क्षेत्र में DB-CTD सेक्शन में RUB संख्या 60A, 63A, 125 पर जल निकासी व्यवस्था में सुधार।	2,22,57,665.79	4,45,200.00
3	DRM BRC 213 of 2025-26	(1) सूरत छोर पर पार्सल लिफ्ट के साथ एक नए फुट ओवर ब्रिज का निर्माण और (2) अहमदाबाद छोर और सूरत छोर पर प्रतिस्थापन मद के तहत 6.10 मीटर चौड़े 02 फुट ओवर ब्रिजों का निर्माण।	40,78,75,893.61	81,57,500.00

निविदा प्रस्तुत करने तथा निविदा खोलने की तिथि एवं समय: निविदा दिनांक **17.04.2026** को **15.00** बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है तथा उसी तिथि को **15.30** बजे खोली जानी है। **वेबसाइट विवरण तथा उस स्थान के निर्देश जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है कार्यालय का पता: वेबसाइट: www.ireps.gov.in.** मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा -390 004.

BRC 406

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

राजा रघुवंशी के परिवार में बेटे का जन्म

मां बोली- मेरा राजा लौट आया, जिस वक्त हुई थी मौत, उसी वक्त बच्चे का जन्म, नाम रखा राजा

भोपाल **(एजेंसी)**। इंदौर का राजा रघुवंशी हत्याकाँड पूरे देश में चर्चित है, इस दिल को हिलाने वाले कांड ने सभी को झकझोर कर रखा दिया था जब एक मां जवान लड़का उस दुनिया से चला गया था। लेकिन अब लंबे समय से दुख में डूबे इस परिवार के लिए अब थोड़ा दिल को सकून देने वाला समय आया हैं। रघुवंशी परिवार में काफी अंतराल के बाद खुशियों का बसेरा हुआ है।

दरअसल शनिवार-रविवार की दरमियानी रात राजा रघुवंशी के परिवार में बेटे का जन्म हुआ है, जिससे घर में उत्साह और खुशियों वाला माहौल बना है। इतने लंबे समय के बाद परिवार के चेहरे पर मुस्कान आई है। दरअसल राजा रघुवंशी के बड़े भाई सचिन रघुवंशी के घर बेटे का जन्म हुआ है जिससे पूरा परिवार खुश है। परिवार के लोग इस नवजात बालक को 'राजा' नाम से पुकार रहे हैं।

इस बच्चे के दुनिया में आने के बाद राजा के भाई विपिन ने बताया कि राजा की हत्या के बाद कामाख्या मंदिर के एक पुजारी ने कहा था कि राजा फिर आपके ही परिवार में जन्म लेगा। अब जब बच्चे का जन्म हुआ है तो परिवार उसे सच मान रहा है। उनका मानना है कि यह संयोग नहीं है, बल्कि ईश्वर की इच्छा है। विपिन का कहना है कि उनकी भाभी राजा का बेटे जैसा ख्याल रखती थीं और अब उन्हीं ने बेटे को जन्म दिया है। शादी को 12 साल हो चुके हैं, दो बेटियां हैं लेकिन अब बेटे का जन्म हुआ तो इसे वो राजा की वापसी मान रहे हैं।

राजा रघुवंशी के परिवार ने इस संयोग बताते हुए कहा है कि जिस दिन राजा की हत्या हुई थी, उस दिन ग्यारस थी और नवजात का जन्म भी ग्यारस को ही हुआ है । परिवार इसे विशेष संयोग मान रहा है फिर से उनके जीवन में राजा का वापसी को बता रहा है। वहीं पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के मुताबिक राजा की मौत का समय दोपहर 2.40 था जबकि नवजात के जन्म का समय 2.42 है।

वहीं इस बेटे के जन्म लेने का बाद इसका नाम राजा रघुवंशी के नाम पर राजा रख दिया है। नाम बिना किसी ज्योतिषिय परामर्श या कुंडली देखे ही 'राजा' रख दिया गया है। राजा की मां उमा रघुवंशी भी इस मौके पर भावुक है, उन्होंने इसे भोलेनाथ का आशीर्वाद बताया है। राजा रघुवंशी की मां ने परिवार में बालक के आने के बाद कहा है कि उनके परिवार में फिर से खुशियां लौट आई हैं। मेरा बेटा जिस दिन हमे छोड़कर इस दुनिया से गया था उसी दिन लौट आया। ये सब भगवान की मर्जी थी।

सिलेंडर चोरी के डर से टॉयलेट को बनाया किचन!

तैयार किया जा रहा मीड-डे मील टीचरों के कारनामें से हड़कंप

डिंडोरी **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले से एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां गैस चोरी के डर से सरकारी स्कूल के शौचालय में मिड डे मील तैयार किया जा रहा था। आरोप है कि यह सिलसिला पिछले कई दिनों से जारी थी। मामला सामने आते ही बीआरसी अधिकारी ने ब्लॉक स्तर के शिक्षा कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जानकारी के मुताबिक, शहपुरा ब्लॉक के डोमदादर गांव में तकरीबन 2 से तीन महीनें से प्राथमिक स्कूल के बच्चों का मिड-डे मील शौचालय परिसर के भीतर बन रहा था। स्कूल के लगभग 30 बच्चे इस खाने को खा रहे थे।

मामले का खुलासा ग्रामीणों की शिकायत से हुआ तो हड़कंप मच गया। परियोजना अधिकारी विपिन दहेरिया और बीआरसी गुरु प्रसाद साहू ने शनिवार को स्कूल का औचक निरीक्षण किया। जांच में पता चला कि 3 साल स्कूल का किचन शेड जर्जर था। नवंबर में एलपीजी सिलेंडर चोरी हो गए। ऐसे में स्कूल प्रबंधन ने कथित तौर पर सरपंच मनोज कुमार मार्को और सचिव बलराम सैयाम के निर्देश पर खाना पकाने की व्यवस्था शौचालय में करने की सलाह दी।

इतना ही नहीं परियोजना अधिकारी विपिन दहेरिया और बीआरसी गुरु प्रसाद साहू के औचक निरीक्षण के दौरान शिक्षकों ने इसे छिपाने की पूरी कोशिश की। परिसर में निरिक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि जिस शौचालय में खाना बन रहा था, वह अधूरा था और उसे अंदर से मॉडिफाई किया गया था। आरोप है कि शिक्षक माधो सिंह परस्ते और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुभद्रा ने इस बात की जानकारी स्वंय अधिकारियों को नहीं थी।

अधिकारियों ने तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए ब्लॉक स्तर के शिक्षा कर्मचारियों और शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। वहीं जब तक नया कीचन तैयार नहीं होता तब तक के लिए खाना पकाने की व्यवस्था को स्कूल के दूसरे भवन में कर दी गई है।

गृह मंत्रालय ने लिया बड़ा एक्शन

गृह मंत्रालय ने ब्लॉक किए 8 लाख सिम और 83 हजार व्हाट्सएप अकाउंट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के तहत आने वाली साइबर विंग 'आई4सी' ने देश में बढ़ते साइबर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया है। साल 2025 से अब तक चली इस सघन कार्रवाई में अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हजारों व्हाट्सएप अकाउंट्स, सिम कार्ड और मोबाइल डिवाइसेस को पूरी तरह निष्क्रिय कर दिया गया है। साइबर ठग अक्सर व्हाट्सएप और स्काइप जैसे प्लेटफॉर्म्स का सहारा लेकर लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। आई4सी ने इस नेटवर्क को तोड़ते हुए 83, 867 व्हाट्सएप अकाउंट और 3, 962 स्काइप आईडी को ब्लॉक कर दिया है। इसके साथ ही, ठगी के उद्देश्य से तैयार किए गए 827 मोबाइल ऐप्स को भी पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। दूरसंचार विभाग और टेलीकॉम कंपनियों के साथ मिलकर गृह मंत्रालय ने 8.45 लाख संदिग्ध सिम कार्ड को बंद कर दिया है। तकनीकी स्तर पर अपराधियों को रोकने के लिए 2.39 लाख मोबाइल आईएमईआई नंबरों को भी ब्लैकलिस्ट किया गया है, जिसका अर्थ है कि अब उन मोबाइल हैंडसेट्स का उपयोग किसी भी नेटवर्क पर नहीं किया जा सकेगा। डिजिटल सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए सहयोग पोर्टल की मदद से इंटरनेट पर मौजूद 1, 11, 185 संदिग्ध और आपत्तिजनक सामग्रियों को हटाया गया है। मंत्रालय अब उन गिरोहों की पहचान करने में जुटा है जो फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सिम कार्ड और अकाउंट्स ऑपरेट कर रहे थे। इस बड़ी कार्रवाई से साइबर अपराधियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है और आम नागरिकों को डिजिटल धोखाधड़ी से बचाने के लिए मंत्रालय लगातार अपनी निगरानी बढ़ा रहा है।

बिजू पटनायक पर सीआईए टिप्पणी से भड़के नवीन पटनायक बोले- भाजपा सांसद को मानसिक इलाज की जरूरत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक ने कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मुख्यमंत्री बिजू पटनायक के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए मानसिक चिकित्सक की आवश्यकता है। निशिकांत दुबे की टिप्पणी की निंदा करते हुए, बीजेडी प्रमुख ने विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि भाजपा सांसद को इन अपमानजनक बातों के लिए किसी मानसिक चिकित्सक की आवश्यकता है। 27 मार्च को एक बयान में दुबे ने दावा किया था कि 1960 के दशक में चीन के खिलाफ युद्ध के दौरान बिजू पटनायक पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और सीआईए के बीच कड़ी थे। पटनायक ने कहा कि मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि दुबे ने बिजू बाबू के बारे में कितनी आपत्तिजनक बातें कही हैं। मुझे नहीं लगता कि नेहरू ने दिल्ली में उनके कार्यालय के बगल में कोई कार्यालय खोला था, जब बिजू बाबू अभी भी ओडिशा के मुख्यमंत्री थे, ताकि चीनियों से लड़ने और रणनीति बनाने का काम किया जा सके। पुरानी यादों में खोते हुए उन्होंने कहा कि मैं उस समय बहुत छोटा था, लगभग 13 साल का, और मुझे याद है कि चीनी हमले को लेकर बिजू बाबू कितने गुस्से में थे और उसे रोकने के लिए उन्होंने क्या-क्या किया था। दुबे के इस बयान से ओडिशा भर में हंगामा मच गया है। बिजू पटनायक के समर्थकों ने भाजपा सांसद पर चीनी युद्ध के इस मामले में उनका नाम घसीटने का आरोप लगाया है। एक वरिष्ठ बीजेडी नेता ने कहा कि कांग्रेस और नेहरू को दोषी ठहराने की कोशिश में भाजपा सांसद ने बिजू पटनायक का नाम लिया है। इस बीच, दुबे की टिप्पणी के विरोध में बीजेडी सांसद सस्मित पात्रा ने उनकी अध्यक्षता वाली संसदीय समिति से इस्तीफा दे दिया। कम से कम चार अन्य सांसदों - मानस मंगराज, सुभाषिश खुंटिया, मुजीबुल्ला खान और निरंजन बिशी - ने भाजपा सांसद की आलोचना करते हुए उन पर 'ओडिशा के गौरव का अपमान' करने का आरोप लगाया।

बीजेडी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देबी प्रसाद मिश्रा ने दुबे के बयान की कड़ी निंदा की और भाजपा सांसद से एक 'देशभक्त' के खिलाफ इस तरह की 'अपमानजनक' टिप्पणी करने के लिए माफी मांगने की मांग की।

ईरान के प्रमुख तेल क्षेत्र खार्ग द्वीप पर कब्जा कर सकता है अमेरिका : ट्रंप

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी बल फारस की खाड़ी में स्थित ईरान के प्रमुख तेल क्षेत्र खार्ग द्वीप को 'आसानी से' अपने नियंत्रण में ले सकते हैं। ट्रंप ने समाचार पत्र 'फाइनेंशियल टाइम्स' को दिए एक साक्षात्कार में यह बात कही। ट्रंप ने कहा, ''हो सकता है कि हम खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लें, हो सकता है कि हम ऐसे न भी करें। हमारे पास कई विकल्प हैं।''

उन्होंने कहा, ''इसका मतलब यह भी होगा कि हमें कुछ समय के लिए वहां (खार्ग द्वीप पर) रहना होगा।'' वहां ईरान की रक्षा व्यवस्था के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, '' मुझे नहीं लगता कि उनके पास कोई रक्षा व्यवस्था है। हम इसे बहुत आसानी से अपने कब्जे में ले सकते हैं।'' अमेरिका ने खार्ग द्वीप पर सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए थे।

ईरान ने धमकी दी है कि अगर

अमेरिकी सेना उसकी धरती पर कदम रखती है तो वह खाड़ी के अरब देशों पर जमीनी आक्रमण करेगा और नए हमले करेगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान की संसद के अध्यक्ष ने फारस की खाड़ी के संकरे मुहाने होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों के गुजरने की अनुमति दे दी है। साक्षात्कार में ट्रंप की यह बात इस बात का ताज़ा संकेत माना जा रहा है कि मोहम्मद बाकिर कलीबाफ ईरान की धार्मिक शासन व्यवस्था के भीतर कितने अहम होते जा रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के घटनाक्रम में कलीबाफ एक प्रभावशाली और निर्णायक चेहरे के रूप में उभरे हैं, जिससे उनकी भूमिका और महत्व और अधिक स्पष्ट हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''उन्होंने हमें पाकिस्तानी ध्वज वाले 10 टैंकर दिए थे। अब वे 20 दे रहे हैं और वे 20 पहले ही रवाना हो चुके हैं जो जलडमरूमध्य के ठीक बीच से गुजर रहे हैं।''

ट्रंप ने साक्षात्कार में कलीबाफ को लेकर कहा ''जहाजों को मुझे सौंपने की अनुमति उन्होंने ही दी थी। याद है मैंने कहा था कि वे मुझे एक तोहफ़ा दे रहे हैं? और सबने पूछा था कि क्या तोहफ़ा है?'' ट्रंप ने कहा '' जब उन्हें इसके बारे में पता चला तो वे चुप रहे और बातचीत में काफी प्रगति हो रही है।'' ईरान के नेता कलीबाफ ने युद्ध के दौरान 'एक्स' पर अपनी पोस्ट के जरिए आक्रामक तेवर दिखाए हैं। वह लगातार अमेरिका का मज़ाक उड़ाते रहे हैं और खुली धमकियां भी देते रहे हैं। हालांकि, रिवोल्यूशनरी गार्ड के पूर्व कमांडर कलीबाफ़ का राजनीतिक कद हाल के दिनों में बढ़ा है, खासकर तब जब ईरान की धार्मिक शासन व्यवस्था के कई वरिष्ठ नेता हमले में मारे गए हैं।

ईरान के बिजली-पानी पर हमला आईआरजीसी ने ट्रंप को ललकारा, बोले झूठे राष्ट्रपति

तेहरान **(एजेंसी)**। ईरान पर अमेरिकी और इजराइल के हमले लगातार जारी हैं। इस जंग के 30वें दिन अमेरिका इजराइल के हमलों के बाद ईरान की राजधानी तेहरान में बिजली गुल हो गई है। ईरान के उप ऊर्जा मंत्री अब्बास अलीबादी के मुताबिक हमलों से अलबोर्ज प्रांत में पावर ग्रिड को नुकसान पहुंचा है। इससे तेहरान और करज के कई इलाकों में बैकउ हो गया है। हालांकि अब्बास अलीबादी ने कहा है कि बिजली सप्लाई जल्द बहाल कर दी जाएगी और स्थिति नियंत्रण में हो जाएगी। इसके अलावा ईरान के खंडास स्थित भारी जल उत्पादन संयंत्र को भी निशाना बनाया जा चुका है। आईएईए यानी अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी इस खबर की पुष्टि की है। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा सेटेलाइट इमेज के एनालिसिस और प्लांट की जानकारी के आधार पर आईएईए ने हुंडास स्थित भारी जल उत्पादन संयंत्र की पुष्टि की है। इस हमले के बारे में ईरान ने 27 मार्च को इनफॉर्म किया था कि संयंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा है और अब यह फंक्शनल नहीं है।

संयंत्र में कोई घोषित परमाणु सामग्री नहीं है। यानी पानी और बिजली जैसी बेसिक सुविधाओं पर अमेरिका और इजराइल ने हमला कर ईरान पर दबाव बनाने की

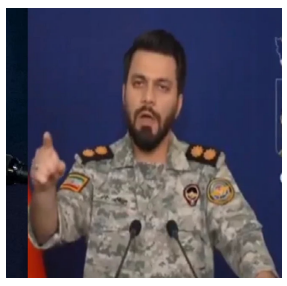

कोशिश की है। लेकिन इन तमाम दुश्वारियों के बावजूद, तमाम संकटों के बावजूद ईरान झुकने को तैयार नहीं है बल्कि पुरजोर तरीके से जवाबी हमले कर रहा है। आईआरजीसी यानी ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने कहा है कि देश के इंफ्रास्ट्रक्चर पर हुए हमलों के जवाब में अमेरिका और इजराइल से जुड़े ठिकानों पर हमारी कारवाई जारी है। आईआरजीसी के एरोस्पेस कमांडर सैयद माजिद मौसवी के मुताबिक अब तक न्योतब के केमिकल इंडस्ट्री एक रिफाइनरी दो स्टील कॉम्प्लेक्स और दो एलुमिनियम मेगा कॉम्प्लेक्स को हमने निशाना बनाया है। इन सबके बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में सेना की जमीनी कार्यवाही की भी धमकी दी है।

इतना ही नहीं अमेरिकी जहाज त्रिपोली 3500 सैनिक लेकर वेस्ट एशिया वार जोन में पहुंच गया है। इन स्थितियों पर आईआरजीसी के खातम अल अंबिया केंद्र मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम जुल्फाकारी ने कहा ईरानी क्षेत्र के किसी भी हिस्से पर जमीनी कार्यवाही या कब्जे की कोरी कल्पना कर ट्रंप ने जो धमकियां दी हैं उसके जवाब में हम घोषणा करते हैं कि इस्लाम के योद्धा लंबे समय से ऐसी कार्यवाहियों का इंतजार कर रहे थे ताकि यह साबित किया जा सके कि आक्रमण और कब्जे का नतीजा आक्रमणकारियों की बेइज्जती करने वाली कैद, अंगभंग और गायब होने के अलावा कुछ नहीं होगा और अमेरिकी कमांडर और सैनिक फारस की खाड़ी में सार्क के लिए अच्छी खुराक बन जाएंगे। जुल्फकारी ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति दुनिया के सबसे झूठे राष्ट्रपति के रूप में जाने जाते हैं।

अफगानिस्तान में बाढ़-भूस्खलन मचाया हाहाकार, 17 लोगों की मौत, 26 घायल

काबुल **(एजेंसी)**। अफगानिस्तान के कई हिस्सों में भारी बारिश, बाढ़, भूस्खलन और आंधी-तूफान ने तबाही मचा दी है। बीते 24 घंटों में इन आपदाओं के कारण कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 26 अन्य घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह इस मौसम में चरम मौसमी घटनाओं से हुई ताजा मौतें हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद के अनुसार, प्रभावित क्षेत्रों में राहत और सर्वेक्षण कार्य जारी है और टीमों की विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। देश के 34 प्रांतों में से 13 प्रांत मूसलाधार बारिश और बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, जिनमें पश्चिमी, मध्य और उत्तर-पश्चिमी इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

भीषण मौसम के चलते व्यापक नुकसान भी हुआ है। करीब 147 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट हो गए हैं, जबकि लगभग 80 किलोमीटर सड़कें बह गई हैं। इसके अलावा, कृषि भूमि और सिंचाई नहरों को भी भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे स्थानीय लोगों की आजीविका पर संकट गहरा गया है। इससे पहले भी इस साल की शुरुआत में भारी बर्फबारी और अचानक आई बाढ़ के कारण देश में दर्जनों लोगों की जान जा चुकी है। अफगानिस्तान लंबे समय से चरम मौसमी घटनाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील रहा है, जहां बर्फबारी और भारी बारिश अक्सर फ्लैश फ्लड का रूप ले लेती है।

गौरतलब है कि वर्ष 2024 में वसंत ऋतु के दौरान आई आकस्मिक बाढ़ में 300 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि दशकों से जारी संघर्ष, कमजोर बुनियादी ढांचा, आर्थिक चुनौतियां, वन कटाई और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों ने इन आपदाओं को और घातक बना दिया है। खासकर दूरदराज के इलाकों में मिट्टी से बने मकान अचानक आने वाली बाढ़ और बर्फबारी के सामने बेहद असुरक्षित साबित होते हैं।

मध्य पूर्व की जंग ने छीना बच्चों का भविष्य, शरणार्थी कैंप बन गए क्लासरूम

बेरुत **(एजेंसी)**। मध्य पूर्व में जारी भीषण संघर्ष अब केवल सैन्य मोर्चों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसने नई पीढ़ी के भविष्य पर भी गहरा प्रहार किया है। लेबनान, ईरान और इजरायल में छिड़ी इस जंग ने शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चरमरा दिया है। जिन स्कूल परिसरों में कभी किताबों की खुशबू और बच्चों का शोर गूंजता था, वे आज मलबे के ढेर में तब्दील हो चुके हैं या विस्थापित परिवारों के लिए अस्थायी शरणस्थली बन गए हैं।

आंकड़ों के अनुसार, लेबनान में लगभग 5, 00, 000 छात्र स्कूलों से दूर हो चुके हैं। बमबारी के डर से शैक्षणिक संस्थान बंद हैं और जो सुरक्षित बचे हैं, उनका उपयोग युद्ध की विभीषिका झेल रहे लोगों को ठहराने के लिए किया जा रहा है। बेरुत के दक्षिणी उपनगर से विस्थापित हुए छात्र अहमद मल्हम की कहानी इस संकट की एक जीती-जागती तस्वीर है। अहमद अब एक स्कूल के क्लासरूम में रहते हैं, जिसे प्लास्टिक के पर्दों की मदद से रसोई और बेडरूम में बदल दिया गया है। भविष्य में इंजीनियर बनने का सपना देखने वाले अहमद के लिए पढ़ाई अब एक संघर्ष बन चुकी है। शोर-शराबे के बीच बिना इंटरनेट के टैबलेट पर रिकॉर्डेड लेक्चर देखना उनके लिए लगभग असंभव होता जा रहा है।

ईरान-अमेरिका पर नया फैसला इस्लामाबाद की बात मानेगा इजरायल?

यरुशलम **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में हालात हर दिन और खतरनाक होते जा रहे हैं। एक तरफ लगातार हमले हो रहे हैं तो दूसरी तरफ जवाबी कार्रवाई। लेकिन इसी बीच एक ऐसा डेवलपमेंट सामने आया है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया है। पाकिस्तान ने दावा किया है कि वह यूनाइटेड स्टेट्स और ईरान को एक टेबल पर बैठा सकता है और शांति वार्ता करा सकता है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर यह बातचीत होती तो इजराइल क्या करेगा? क्या जंग रुकेगी या और तेज हो जाएगी? दरअसल 29 मार्च को इस्लामाबाद में एक हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें शामिल हुए सऊदी अरब, इजिप्ट, तुर्की और इस मीटिंग को लीड किया ईशाक डार ने पाकिस्तान के एफएम ने यानी कि फॉरेन मिनिस्टर ने। मीटिंग के बाद पाकिस्तान की तरफ से बड़ा दावा किया गया कि आने वाले समय में यूएस और ईरान के बीच इस्लामाबाद में बातचीत हो सकती है। अभी तक ना अमेरिका ने इसकी पुष्टि की ना ईरान ने। अगर रिपोर्ट्स की बात करें तो खासकर रटर्स तो इस मीटिंग में चार बड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। पहला सीज फायर कैसे लाया जाए? दूसरा स्टेट ऑफ हॉर्मच को खोलना। तीसरा ऑयल ट्रेड के लिए नया सिस्टम और चौथा रीजनल कॉरपोरेशन। यानी यह सिर्फ एक मीटिंग नहीं थी बल्कि पूरे क्षेत्र की रणनीति तय करने की कोशिश हुई थी। अब समझिए सबसे अहम पॉइंट यानी कि हॉर्मज स्टेट। दरअसल स्टेट ऑफ हॉर्म दुनिया के करीब 20इतेल की सप्लाई यहीं से गुजरती है। अब इजिप्ट का बड़ा प्रस्ताव है। जैसे स्वेज कैनाल में ट्रांजिट फ्री सिस्टम है। वैसे ही हॉर्न में भी ट्रांजिट सिस्टम लागू किया जाए। अगर ऐसा होता है तो ग्लोबल ऑयल ट्रेड पूरी तरह से बदल सकता है और कई देशों की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक तुर्की, इजप्टि, सऊदी अरबिया मिलकर एक कंसोटियम बनाना चाहते हैं जो ऑयल ट्रेड को मॉनिटर करेगा।

ईरान-अमेरिका पर नया फैसला इस्लामाबाद की बात मानेगा इजरायल?

यरुशलम **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में हालात हर दिन और खतरनाक होते जा रहे हैं। एक तरफ लगातार हमले हो रहे हैं तो दूसरी तरफ जवाबी कार्रवाई। लेकिन इसी बीच एक ऐसा डेवलपमेंट सामने आया है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया है। पाकिस्तान ने दावा किया है कि वह यूनाइटेड स्टेट्स और ईरान को एक टेबल पर बैठा सकता है और शांति वार्ता करा सकता है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर यह बातचीत होती तो इजराइल क्या करेगा? क्या जंग रुकेगी या और तेज हो जाएगी? दरअसल 29 मार्च को इस्लामाबाद में एक हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें शामिल हुए सऊदी अरब, इजिप्ट, तुर्की और इस मीटिंग को लीड किया ईशाक डार ने पाकिस्तान के एफएम ने यानी कि फॉरेन मिनिस्टर ने। मीटिंग के बाद पाकिस्तान की तरफ से बड़ा दावा किया गया कि आने वाले समय में यूएस और ईरान के बीच इस्लामाबाद में बातचीत हो सकती है। अभी तक ना अमेरिका ने इसकी पुष्टि की ना ईरान ने। अगर रिपोर्ट्स की बात करें तो खासकर रटर्स तो इस मीटिंग में चार बड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। पहला सीज फायर कैसे लाया जाए? दूसरा स्टेट ऑफ हॉर्मच को खोलना। तीसरा ऑयल ट्रेड के लिए नया सिस्टम और चौथा रीजनल कॉरपोरेशन। यानी यह सिर्फ एक मीटिंग नहीं थी बल्कि पूरे क्षेत्र की रणनीति तय करने की कोशिश हुई थी। अब समझिए सबसे अहम पॉइंट यानी कि हॉर्मज स्टेट। दरअसल स्टेट ऑफ हॉर्म दुनिया के करीब 20इतेल की सप्लाई यहीं से गुजरती है। अब इजिप्ट का बड़ा प्रस्ताव है। जैसे स्वेज कैनाल में ट्रांजिट फ्री सिस्टम है। वैसे ही हॉर्न में भी ट्रांजिट सिस्टम लागू किया जाए। अगर ऐसा होता है तो ग्लोबल ऑयल ट्रेड पूरी तरह से बदल सकता है और कई देशों की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक तुर्की, इजप्टि, सऊदी अरबिया मिलकर एक कंसोटियम बनाना चाहते हैं जो ऑयल ट्रेड को मॉनिटर करेगा।

ईरान-अमेरिका पर नया फैसला इस्लामाबाद की बात मानेगा इजरायल?

यरुशलम **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में हालात हर दिन और खतरनाक होते जा रहे हैं। एक तरफ लगातार हमले हो रहे हैं तो दूसरी तरफ जवाबी कार्रवाई। लेकिन इसी बीच एक ऐसा डेवलपमेंट सामने आया है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया है। पाकिस्तान ने दावा किया है कि वह यूनाइटेड स्टेट्स और ईरान को एक टेबल पर बैठा सकता है और शांति वार्ता करा सकता है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर यह बातचीत होती तो इजराइल क्या करेगा? क्या जंग रुकेगी या और तेज हो जाएगी? दरअसल 29 मार्च को इस्लामाबाद में एक हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें शामिल हुए सऊदी अरब, इजिप्ट, तुर्की और इस मीटिंग को लीड किया ईशाक डार ने पाकिस्तान के एफएम ने यानी कि फॉरेन मिनिस्टर ने। मीटिंग के बाद पाकिस्तान की तरफ से बड़ा दावा किया गया कि आने वाले समय में यूएस और ईरान के बीच इस्लामाबाद में बातचीत हो सकती है। अभी तक ना अमेरिका ने इसकी पुष्टि की ना ईरान ने। अगर रिपोर्ट्स की बात करें तो खासकर रटर्स तो इस मीटिंग में चार बड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। पहला सीज फायर कैसे लाया जाए? दूसरा स्टेट ऑफ हॉर्मच को खोलना। तीसरा ऑयल ट्रेड के लिए नया सिस्टम और चौथा रीजनल कॉरपोरेशन। यानी यह सिर्फ एक मीटिंग नहीं थी बल्कि पूरे क्षेत्र की रणनीति तय करने की कोशिश हुई थी। अब समझिए सबसे अहम पॉइंट यानी कि हॉर्मज स्टेट। दरअसल स्टेट ऑफ हॉर्म दुनिया के करीब 20इतेल की सप्लाई यहीं से गुजरती है। अब इजिप्ट का बड़ा प्रस्ताव है। जैसे स्वेज कैनाल में ट्रांजिट फ्री सिस्टम है। वैसे ही हॉर्न में भी ट्रांजिट सिस्टम लागू किया जाए। अगर ऐसा होता है तो ग्लोबल ऑयल ट्रेड पूरी तरह से बदल सकता है और कई देशों की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक तुर्की, इजप्टि, सऊदी अरबिया मिलकर एक कंसोटियम बनाना चाहते हैं जो ऑयल ट्रेड को मॉनिटर करेगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)